खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-188

दीदी का चक्कर!
टीएमसी मालिक/किरायेदार

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की फंडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने पार्टी के तीन बैंक अकाउंट को फ्रीज कर दिया है, जिनमें करीब 440 करोड़ रुपये जमा बताए गए हैं। ईडी का दावा है कि जांच के दौरान ऐसे वित्तीय लेनदेन सामने आए हैं, जिनसे यह संदेह पैदा हुआ है कि पार्टी के पैसों से एक लग्जरी बिजनेस जेट और एक वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदा गया, लेकिन बाद में उन्हीं विमानों को किराए पर लेकर इस्तेमाल किया गया।यह पहली बार है जब ईडी किसी राजनीतिक दल की फंडिंग की स्वतंत्र रूप से मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच कर रही है। इससे पहले आम आदमी पार्टी के अकाउंट की जांच दिल्ली आबकारी नीति मामले के तहत की गई थी।

कोलकाता की एविएशन कंपनी पर छापे से खुला मामला

यह पूरा मामला कोलकाता स्थित एविएशन मैनेजमेंट और लीजिंग कंपनी केयरवेल एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर ईडी की छापेमारी के बाद सामने आया। एजेंसी के मुताबिक, यह कंपनी सितंबर 2021 में बनाई गई थी। इसी साल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी थी।

ईडी के अनुसार, अप्रैल 2023 से जून 2026 के बीच टीएमसी के बैंक खातों से करीब 160 करोड़ रुपये केयरवेल एविएशन को ट्रांसफर किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी ने इनमें से 82.96 करोड़ रुपये एक अन्य नई कंपनी को भेज दिए।

ईडी का आरोप है कि टीएमसी से मिले पैसों का इस्तेमाल कर केयरवेल एविएशन ने करीब 112 करोड़ रुपये की लागत से एक एम्ब्रेयर लिगेसी 600 बिजनेस जेट और एक अगस्ता 109 एसपी हेलिकॉप्टर खरीदा।एम्ब्रेयर लिगेसी 600 ब्राज़ील की कंपनी एम्ब्रेयर द्वारा निर्मित एक मिड-साइज लग्जरी बिजनेस जेट है, जिसमें फ्लैट बेड में बदलने वाली सीटें और वीआईपी सुविधाएं उपलब्ध हैं। वहीं अगस्ता 109 एसपी इटली की कंपनी लियोनार्डो (पूर्व में अगस्ता वेस्टलैंड) का हाई-स्पीड ट्विन इंजन वीआईपी हेलिकॉप्टर है।

केमैन आइलैंड्स से भी आया पैसा

ईडी की जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2023 में हेलिकॉप्टर खरीदने के लिए केमैन आइलैंड्स स्थित एक कंपनी से ▶8पर

तृणमूल के 3 सांसद भाजपा में
चट इस्तीफे-पट टिकट

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले तीनों पूर्व राज्यसभा सांसदों को बीजेपी ने एक ही दिन के भीतर बड़ा इनाम दिया है। पार्टी में शामिल होते ही बीजेपी ने सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाइक को बंगाल की तीन खाली हुई राज्यसभा सीटों के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

बता दें इन तीनों प्रमुख नेताओं ने हाल ही में तृणमूल कांग्रेस और अपनी राज्यसभा सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया था, जिससे ये तीनों सीटें खाली हुई थीं। इस्तीफे के बाद तीनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य की मौजूदगी में औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसके महज कुछ ही घंटों के भीतर बीजेपी आलाकमान ने तीनों नेताओं के नामों पर अपनी मुहर लगाते हुए उन्हें राज्यसभा उपचुनाव के मैदान में उतार दिया।

कौन हैं ये तीन बड़े चेहरे- 1) सुखेंदु शेखर राय, 2) सुष्मिता देव और 3)प्रकाश चिक बारीक शामिल हैं।

बीजेपी का रणनीतिक दांव

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि टीएमसी के ही पुराने मोहरों को अपने उम्मीदवार के रूप में उतारकर बीजेपी ने बंगाल में सत्ताधारी दल को मनोवैज्ञानिक मात देने की कोशिश की है। जिन नेताओं के इस्तीफे से सीटें खाली हुई थीं, उन्हीं को फिर से अपने चुनाव चिह्न पर संसद भेजने की बीजेपी की यह रणनीति आगामी चुनावों से पहले बंगाल के सियासी समीकरणों को नया मोड़ दे सकती है।

हे प्रीत जहां की रीत सदा...
मेलबर्न में मोदी-मोदी

मेलबर्न, 09 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस मेगा शो में 30 हजार भारतीय शामिल हुए। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का एक बार फिर जिक्र किया है। पीएम ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर हुए धमाकों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी।

भारतीयों को संबोधित करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डेमो तो देख ही लिया होगा, धमाके पड़ोसियों पर हो रहे थे और गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी। आतंकी कैंप पर इस कड़े प्रहार से आपको गर्व हुआ कि नहीं हुआ? भारत इतने पर ही रुकना नहीं चाहता, भारत कह रहा है ग्रो मोर, ग्रो मोर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हम भारतीय ऐसे ही हैं जैसे दूध में चीनी मिल जाती है और उसे और भी मीठा कर देती है। वैसे ही, हम भारतीय दुनिया भर में अपने प्रेम का रंग घोलते रहते हैं। घर में दूध तो ऑस्ट्रेलिया वाला आता है, लेकिन चाय भारत वाली बनती है... उन्होंने कहा, आपने सुना होगा कि भारत में आजकल भजन क्लबिंग का नया ट्रेंड चल रहा है। हमारी जेन ज़ी इसे आगे बढ़ा रही है और यहां ऑस्ट्रेलिया में भी, मैंने सुना है कि आपके वीकेंड भी आस्था और आध्यात्म से भरा रहता है। कहीं किसी के घर भगवान सत्यनारायण की कथा, तो कहीं गुरुद्वारे में अरदास, कहीं बच्चे द्वारा भांगड़ा, कहीं भरतनाट्यम की प्रस्तुति या कहीं कोई क्रिकेट टूर्नामेंट चल रहा होता है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन अमिस्ताद का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत हमेशा आपदा में मदद करता है। हम जब मदद करते हैं तो नागरिकों के पासपोर्ट नहीं देखते। दुनिया आज भारत पर भरोसा करती है। पीएम मोदी ने तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान भी भारत की तरफ से भेजी गई मदद का जिक्र किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में दिए गए योगदान का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि शिक्षा, हुनर और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रिश्ते गहरे और मजबूत हो रहे हैं।

आज हजारों भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहे हैं और अब ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटीज भी भारत में अपने कैंपस खोल रही हैं। डीकिन और वोलोंगोंग यूनिवर्सिटीज के कैंपस शुरू हो चुके हैं और दूसरी ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटीज भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। और यह सिर्फ नए कैंपस खोलने की बात नहीं है, यह दुनिया को कुशल और इनोवेटिव टैलेंट देने वाले ग्लोबल लीडर तैयार करने का एक अभियान भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 2014 के ऑस्ट्रेलिया दौरे को याद करते हुए कहा कि उस समय करीब 28 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की थी। उन्होंने कहा, उस दौरान मैंने कहा था कि अगली बार भारत के प्रधानमंत्री के आने के लिए लोगों को 28 साल इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

▶8पर

महाराष्ट्र में रातभर झटके
लोग घबराकर घरों से बाहर निकले!

मुंबई/हिंगोली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच गुरुवार देर रात मराठवाड़ा क्षेत्र में भूकंप के लगातार चार झटकों ने लोगों को डरा दिया। हिंगोली, नांदेड़ और परभणी जिलों में रात 1:37 बजे से 3:23 बजे के बीच आए इन झटकों के कारण लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि किसी भी जिले से जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, सबसे तेज झटका 4.6 तीव्रता का था, जबकि अन्य झटकों की तीव्रता 3.6, 3.9 और 4.1 दर्ज की गई। सभी भूकंपों का केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, चारों झटके निम्न समय पर दर्ज किए गएरात 1:37 बजे 4.6, रात 2:15 बजे 3.6, रात 2:17 बजे 3.9, रात 3:23 बजे 4.1था।

इन झटकों का असर मुख्य रूप से हिंगोली के वसमत, कलमनुरी और औंधा नागनाथ क्षेत्र के साथ-साथ नांदेड़ और परभणी के कई इलाकों में महसूस किया गया। ▶8पर

ईरान पर अमेरिकी हमले
भारत-चीन निशाना

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से ईरान पर किए गए नए सैन्य हमलों ने न केवल मध्य पूर्व की अस्थिरता बढ़ा दी है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था खासकर भारत और चीन जैसे प्रमुख एशियाई देशों के निवेश और हित को भी गहरा झटका पहुंचाया है। अमेरिका की ओर से ईरान के चाबहार पोर्ट पर किए गए हमले में शाहिद बेहेश्ती पोर्ट टर्मिनल को नुकसान पहुंचा है। इस टर्मिनल में भारत का अरबों का निवेश है।

वहीं अमेरिका ने चीन-ईरान को जोड़ने वाले एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया गया है। यह पुल तेहरान और ईरान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार, चीन के बीच व्यापार के अहम रास्तों को जोड़ता है। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी के दौरान रूस को माल भेजने के लिए भी इस रास्ते का इस्तेमाल किया जाता था।

ये वो नुकसान हैं, जिससे भारत और चीन के हित जुड़े हुए हैं। इन नुकसान के अलावा अमेरिकी हमले में ईरान को और भी क्षति हुई है।

चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी मिसाइलों से हमला

खबरों के मुताबिक अमेरिकी मिसाइलों से चाबहार पोर्ट पर हमला किया है।

ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को चाबहार में शाहिद बेहेश्ती पोर्ट पर कई अमेरिकी मिसाइलें गिरने से उसे नुकसान पहुंचा है। इससे यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह हुआ है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद
अधिकतम : 33°
न्यूनतम : 26°

पीओके 'नासूर'
पाक खुद सौंपेगा भारत को!

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लोगों में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा है। ऐसा गुस्सा पहले कभी नहीं देखा गया है। पीओके में जो गुस्सा उबल रहा है, वह बलूचिस्तान और कबायली इलाके के लोगों के प्रदर्शनों से बेहद जुदा है। सड़कों पर हजारों लोग उतर आए हैं और इंसाफ की मांग कर रहे हैं। फील्ड मार्शल असीम मुनीर की फौज इसके बाद भी पीओके के लोगों पर जुल्म ढा रही है। नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, चारों तरफ जमीन से घिरे इस इलाके

में खाने-पीने की चीजों और दवाओं जैसी बुनियादी जरूरतों की सप्लाई रोक दी है। इसके चलते आंदोलन के नेताओं ने खुलेआम भारत से दखल देने की मांग की है। ऐसे में बड़ा सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान के लिए पीओके नासूर बन चुका है? क्या पीओके के प्रदर्शनों और पाकिस्तान के खिलाफ बढ़ती नफरत के चलते पाकिस्तानी आका इस इलाके को खुद भारत को सौंप देंगे? एक्सपर्ट से समझते हैं पूरी बात। डिफेंस एनालिस्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसार, पाकिस्तान जिस तरह से लगातार पीओके में दमन और अत्याचार करता आया है, उससे उसके खिलाफ नफरत बढ़ती जा रही है। हाल के दिनों में भारत की ओर से सिंधु जल संधि रोके जाने और पीओके में तेज हो चुके विरोध प्रदर्शन से पहले से परेशान पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

▶8पर

बांग्लादेश में बारिश से पहाड़ी दरकी, मदरसे पर गिरा मलबा, आठ की मौत

ढाका

दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में तेज बारिश के दौरान एक मदरसे पर दरकी पहाड़ी का मलबा गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें सात छात्राएं और एक शिक्षक शामिल हैं। यह भू-स्खलन बुधवार दोपहर उखिया में ए-3 ब्लाक स्थित रोहिंग्या कैंप-पांच में लड़कियों के हिफ्ज मदरसे में हुआ। हादसे में मदरसे की दीवार ढह गई। हादसे के वक्त करीब 40 बच्चियां कक्षा में मौजूद थीं।

प्रोथोम अलो और ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, दमकल विभाग की टीम, आर्म्ड पुलिस बटालियन के जवानों, रोहिंग्या स्वयंसेवकों व अन्य ने बचाव अभियान चलाकर देरशाम मलबे से 13 लोगों को बाहर निकाला। इनमें से आठ को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि पांच अन्य को गंभीर अवस्था में अस्पतालों में ले जाया गया।

शरणार्थी राहत और प्रत्यावर्तन आयुक्त मोहम्मद मिजानुर रहमान ने बताया कि चार पीड़ितों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई और चार अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मारी गई बच्चियों में से दो एक ही परिवार की हैं। अतिरिक्त उप पुलिस महानिरीक्षक सिराज अमीन ने कहा कि मरने वालों में से चार की पहचान राशिदा बेगम (13), उम्मे नेजातुल (13),उम्मे सलमा (12) और उमाइसा बीबी (13) के रूप में हुई है। असरा बेगम (9), बेगम जान (15) और फरेसा बीबी (12) का इलाज कुतुपालोंग फ्रेंडशिप हास्पिटल में चल रहा है। 30 छात्राओं को बचा लिया गया है।

इस बीच काक्स बाजार में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। बाढ़ का पानी निचले इलाकों में भर गया है। परिवहन संसाधन ठप हो गया है। पूरे जिले में भू-स्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो दिनों में काक्स बाजार में भू-स्खलन की घटनाओं में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। खराब मौसम के कारण चटगांव में भी लोगों की जान गई है।

अधिकारियों के अनुसार, रंगुनिया में मंगलवार को एक पहाड़ी का कुछ हिस्सा ढहने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि पंचलाइश पुलिस स्टेशन के तहत रहमान नगर में एक दीवार गिरने से एक युवक की मौत हो गई। सीताकुंड के जंगल सलीमपुर इलाके में बुधवार सुबह मिट्टी के नीचे दबने से 10 महीने के एक बच्चे की मौत हो गई। पंचलाइश के चश्मा हिल में हुए भू-स्खलन में 12 साल की एक लड़की की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि अकेले चटगांव शहर में 26 ऐसी पहाड़ियां हैं जो बहुत ज्यादा जोखिम वाली हैं। इनमें से 16 सरकारी और 10 निजी हैं। इन इलाकों में 6,500 से ज्यादा परिवार रहते हैं। चटगांव के जिला उपायुक्त मोहम्मद जाहिदुल इस्लाम मियां ने कहा कि जिला प्रशासन ने जोखिम वाली पहाड़ियों को पांच निगरानी जोन में बांटा है। इसके लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट, सहायक आयुक्त (भूमि) और लगभग 150 स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

न्यूज ब्रीफ

महाकाली परियोजना का पानी नेपाल छोड़ने के लिए भारत से कूटनीतिक पहल करने की सत्तारूढ़ दल के सांसद की मांग

काठमांडू। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद दीपक बोहोरा ने कहा है कि

महाकाली सिंचाई परियोजना का पानी नेपाल और भारत दोनों देशों द्वारा उपयोग किए जाने की व्यवस्था होने के बावजूद भारत के साथ प्रभावी कूटनीतिक पहल नहीं होने के कारण नेपाल की ओर पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। सांसद बोहोरा ने एक बयान में सरकार से मांग की कि परियोजना का पानी नेपाल की ओर छोड़े जाने के लिए विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारत के साथ कूटनीतिक पहल की जाए। उन्होंने कहा कि 48 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का लगभग 30 किलोमीटर निर्माण पूरा हो चुका है। परियोजना की नहर जहां समाप्त होगी, उस क्षेत्र कृष्णपुर-9 के स्थानीय लोगों से यह नहीं पूछा गया कि वहां नहर की आवश्यकता है या नहीं। बोहोरा ने बयान में कहा कि दो नदियों के बीच मात्र 10 मीटर की दूरी पर बनाई जा रही नहर के कारण कुछ दिन पहले हुई बारिश में पूरे क्षेत्र की बस्ती जलमग्न हो गई थी। उन्होंने कहा, स्थानीय पालिका ने इस क्षेत्र को आवासीय क्षेत्र घोषित किया है, लेकिन सरकार वहीं से नहर ले जा रही है। स्थानीय लोग साफ कह रहे हैं कि उन्हें नहर नहीं चाहिए। सांसद बोहोरा ने कहा, जब स्थानीय लोग नहर नहीं चाहते, तो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर इसकी आवश्यकता क्यों है। सरकार को जनता को बताना चाहिए कि यह नहर किस उद्देश्य से बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों में इस बात का डर है कि नहर निर्माण के कारण सरकारी भूमि भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए सरकार को यह बताना चाहिए कि इस क्षेत्र में नहर निर्माण वास्तव में क्यों आवश्यक है ।

भारत-इंडोनेशिया ने की चीन को घेरने की तैयारी, भारत करेगा सवांग पोर्ट का विकास

नई दिल्ली। भारत और इंडोनेशिया ने हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक साझेदारी को गहरा कर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसका उद्देश्य चीन के

विस्तारवाद को संतुलित करना और क्षेत्र में भारत के विकास-उन्मुख दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने इंडोनेशिया के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सवांग बंदरगाह के संयुक्त विकास पर सहमति जाहिर है। यह बंदरगाह दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक, मलक्का जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार पर मौजूद है। यह समझौता तब हुआ है जब भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ मिलकर चीन की आक्रामक समुद्री नीतियों पर लगाम लगाने के लिए रणनीतिक गठबंधनों को मजबूत कर रहा है। इंडोनेशियाई संसद में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद की नीति पर चलता है। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास के भारतीय मंत्र को वैश्विक भाईचारे का प्रतीक बताया। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की राजधानियाँ भले ही हजारों किलोमीटर दूर हों, लेकिन समुद्र में हमारे बीच केवल 150 किलोमीटर की ही दूरी है, जो दूरियों का नहीं, बल्कि सेतु का प्रतीक है। सवांग बंदरगाह का विकास भारत के लिए अत्यंत रणनीतिक महत्व रखता है। यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारत के इंदिरा पाइंट से केवल करीब 100 मील की दूरी पर है, और भारत के महत्वाकांक्षी ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के करीब है।

साल 2118 की दुनिया से लौटे शख्स ने किए कई चौंकाने वाले खुलासे

न्यूयार्क। अलेक्जेंडर स्मिथ नाम के एक शख्स ने पूरी दुनिया के सामने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

उन्होंने खुद को टाइम ट्रैवलर बताते हुए साल 2118 की दुनिया का आंखों देखा हाल बयां किया है, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप सकती है। अलेक्जेंडर के दावों ने सबको हैरत में डाल दिया है, क्योंकि उसने तीसरे विश्वयुद्ध के बाद की दुनिया की एक बेहद डरावनी और अजीब तस्वीर पेश की है। एक मशहूर यूट्यूब चैनल पर इंसानी चेहरे वाले लेटेक्स मास्क के पीछे छिपकर अलेक्जेंडर स्मिथ ने दावा किया है कि साल 1981 में अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के एक बेहद गोपनीय और टाप-सीक्रेट प्रोजेक्ट के तहत उसे टाइम ट्रैवल के जरिए सीधे साल 2118 में भेज दिया गया था। अलेक्जेंडर का कहना है कि अब वह समय आ चुका है, जब पूरी मानव जाति को उस सच से वाकिफ होना चाहिए जो बंद कमरों के पीछे आम जनता से छुपाकर रखा गया है।

भारत-आस्ट्रेलिया साझेदारी निवेश, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा के नए युग का आधार बनेगी : प्रधानमंत्री मोदी

मेलबर्न

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और ऊर्जा संकट के दौर में भारत और आस्ट्रेलिया स्वाभाविक तथा भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के उद्योग जगत से स्वच्छ ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत और आस्ट्रेलिया मिलकर वैश्विक समाधान विकसित कर सकते हैं।

उन्होंने यह आह्वान मेलबर्न में आयोजित इकोनामिक रोडमैप बिजनेस रिसेप्शन के संबोधन में किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच वर्ष 2022 में हुए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) ने आर्थिक संबंधों को नई मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि समझौते के लागू होने के बाद भारत का आस्ट्रेलिया को निर्यात दोगुना हुआ है और दोनों देशों के कारोबारियों को नए बाजारों तक पहुंच का लाभ मिला है। उन्होंने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हरित हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाओं में आस्ट्रेलिया की प्रौद्योगिकी, पूंजी और संसाधन भारत की ऊर्जा परिवर्तन यात्रा को गति दे सकते हैं। मोदी ने कहा कि भारत ने हाल ही में शांति अधिनियम के माध्यम से निजी क्षेत्र के लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को खोला है और वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया के विशाल यूरेनियम भंडार इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सहयोग का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में बंदरगाह, हवाई अड्डे, सड़क, रेलवे और शहरी बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिदिन लगभग 34 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग और आठ किलोमीटर से अधिक नई रेल लाइन का निर्माण हो रहा है, जो भारत की गति, पैमाने और स्थिरता का परिचायक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन, क्वांटम मिशन और सेमीकंडक्टर कार्यक्रम के लिए 10 अरब डालर से अधिक का सरकारी समर्थन उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने डेटा सेंटर, एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग से वैश्विक समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने आस्ट्रेलिया के पेंशन फंडों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत सुरक्षित, स्थिर और टिकाऊ निवेश का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत में पेंशन निधि को करोड़ों परिवारों के विश्वास की अमानत माना जाता है और सरकार निवेशकों के विश्वास तथा पूंजी, दोनों की वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आस्ट्रेलिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों द्वारा गिफ्ट सिटी में परिसर स्थापित करना भारत के प्रति उनके विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने छात्र आदान-प्रदान को प्रतिभा साझेदारी में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया।

मोदी ने सुझाव दिया कि भारत के राज्यों और आस्ट्रेलिया के प्रांतों के बीच उनकी विशेष क्षमताओं के आधार पर प्रत्यक्ष आर्थिक साझेदारी विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि पश्चिमी आस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों को ओडिशा और गुजरात की विनिर्माण क्षमता, क्वींसलैंड और तस्मानिया की स्वच्छ ऊर्जा विशेषज्ञता को भारत के नवीकरणीय ऊर्जा गलियारों तथा न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया की वित्त एवं नवाचार क्षमता को महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना के साथ जोड़कर नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मुक्त एवं समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की समान दृष्टि के आधार पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संवाद दोनों देशों के बीच नए विचारों, नई साझेदारियों और नए निवेश अवसरों को जन्म देगा।

फरिश्ताः सुनामी ने 13 जिंदगियां बचाकर जीता दुनिया का दिल

काराकस

वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप ने हजारों परिवारों की जिंदगी तबाह कर दी है। चारों तरफ सिर्फ मलबा, चीख-पुकार और तबाही का मंजर पसरा हुआ है, जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इसी विनाश और निराशा के बीच एक ऐसा नायक सामने आया है, जिसने अपनी बहादुरी और असाधारण क्षमता से पूरी दुनिया का दिल जीत लिया है। यह नायक कोई इंसान नहीं, बल्कि सुनामी नाम का एक 8 साल का बार्डर काली रेस्क्यू डाग है, जिसने अपनी सूझबूझ और सूंघने की शक्ति से कई जिंदगियों को नया जीवन दिया है। 24 जून को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो ताकतवर भूकंप आए, जिनमें से दूसरा झटका पिछले 100 वर्षों में देश का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। 7 जुलाई तक सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इन भूकंपों में 3,685 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। हजारों इमारतें ढह गईं और बड़ी संख्या में लोग मलबे के नीचे जिंदा फंस गए, जिन्हें निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी था। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी भयावह स्थिति में रेस्क्यू टीम के साथ पहुंचे सुनामी ने अपनी सूंघने की असाधारण क्षमता का प्रदर्शन करते हुए मलबे के नीचे दबे जीवित लोगों का पता लगाना शुरू किया। उसकी तीव्र गंध पहचान क्षमता ने राहतकर्मियों को सटीक स्थानों तक पहुंचने में मदद की। रिपोर्ट के अनुसार, सुनामी ने कम से कम 13 लोगों को जिंदा खोजने में अहम भूमिका निभाई। इनमें एक 60 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल थे, जो लगभग छह दिनों तक मलबे के नीचे फंसे रहे थे। सुनामी द्वारा दिए गए संकेतों के बाद राहतकर्मियों ने सावधानीपूर्वक खुदाई की और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बार फिर जीवन की जीत हुई। यह घटना सुनामी की असाधारण क्षमताओं और बचाव कार्य में कुत्तों की अहमियत को दर्शाती है। सुनामी अपने हैंडलर जार्ज बीन्स के साथ के-एसएआर ईसीआईडी रेस्क्यू कैनाइन यूनिट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसका मुख्य कार्य मलबे के नीचे फंसे जीवित लोगों की गंध को पहचानकर रेस्क्यू टीम को सही जगह तक पहुंचाना है, ताकि कम से कम समय में पीड़ितों को बाहर निकाला जा सके। उसकी तेजी और सटीकता ने राहत अभियान को काफी प्रभावी बना दिया, जिससे कई कीमती जानें बचाई जा सकीं। वेनेजुएला सरकार ने भी इस बहादुर डाग की सराहना करते हुए बताया कि उसने पूरे अभियान के दौरान कुल 25 लोगों को बचाने में मदद की, हालांकि शुरुआती रिपोर्टों में 13 लोगों को जीवित खोजने की पुष्टि की गई थी।

चीनी लड़कियां शौक से मार खाने आती हैं ट्रेनिंग सेंटर

बीजिंग। चीन में पेन जोन नाम का एक विशेष ट्रेनिंग सेंटर इन दिनों काफी चर्चा में है, जहाँ लड़कियां शौक से शारीरिक कष्ट झेलने और मार खाने आती हैं। यह कोई आम फिटनेस सेंटर नहीं, बल्कि मार्शल आर्ट्स की एक बेहद कठोर शाखा है। पेन जोन एक खास कुंग फू ट्रेनिंग सेंटर है जहाँ एडमिशन लेने के लिए पहले उम्मीदवार को कई शारीरिक परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। यहाँ के शिफू (मास्टर) और उनके सहयोगी लाठी-डंडों, घूसों और लातों से लड़कियों को बुरी तरह पीटते हैं, जिसके निशान उनके शरीर पर साफ देखे जा सकते हैं। कई लड़कियों की बाडी नीली पड़ जाती है, कुछ की हड्डियां तक चोटिल हो जाती हैं, लेकिन फिर भी ये लड़कियां दर्द सहकर अपनी ट्रेनिंग जारी रखती हैं। यह उनके असाधारण दृढ़ संकल्प और जुनून को दर्शाता है। एक लड़की ने सोशल मीडिया पर अपनी एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, वेलकम टू पेन जोन – माई सेकंड मंथ आफ प्रैक्टिसिंग कुंग फू विद शिफू। वीडियो में वह मार खाते हुए भी मुस्कुराती नजर आई, जो इस बात का प्रतीक है कि वे इस दर्द को अपनी मजबूती का हिस्सा मानती हैं। इस कठोर ट्रेनिंग का उद्देश्य लड़कियों को सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी इतना मजबूत बनाना है कि कोई भी मुश्किल उन्हें तोड़ ना सके।

नए हमलों की धमकी के बाद ईरान ने ट्रंप को बताया हत्यारा अपराधी

तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर दोबारा सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने ट्रंप को हत्यारा अपराधी बताते हुए कहा कि उन्हें केवल ताकत की भाषा ही समझ आती है।

नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ समझौता (एमओयू) अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका ईरान पर एक और बड़े सैन्य हमले की तैयारी कर सकता है। ट्रंप ने कहा, हमने कल रात उन्हें जोरदार तरीके से निशाना बनाया और जरूरत पड़ी तो भी हमला कर सकते हैं।

ट्रंप के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए गरीबाबादी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि यह बयान अमेरिका की ताकत नहीं, बल्कि उसकी वर्षों पुरानी दबाव, प्रतिबंध और धमकियों की नीति की विफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा, अपराधी और हत्यारे ट्रंप से उसी भाषा में बात की जानी चाहिए, जिसे वह समझते हैं और वह भाषा है ताकत की। वहीं, ट्रंप की ओर से ईरान के अहम तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर हमला करने की चेतावनी के बाद ईरान के पूर्व विदेश मंत्री अली

अकबर वेलायती ने कहा कि ईरान पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर क्षेत्र से अपने दुश्मनों का सफाया करने के लिए कार्रवाई करेगा। जबकि ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने सोशल मीडिया पर लिखा, हम तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं। हम वादा करते हैं कि एक भी अमेरिकी सैनिक जिंदा वापस नहीं जाएगा।

एमओयू खत्म करने की घोषणा पर भी जताई नाराजगी – दूसरी ओर, ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ट्रंप द्वारा दोनों देशों के बीच हुए समझौते को समाप्त घोषित किए जाने को घृणित करार दिया। उनका कहना था कि ऐसे बयान उस समय आए हैं, जब दोनों देशों के बीच कूटनीतिक प्रयास पहले ही क्षेत्रीय तनाव के कारण कमजोर पड़ चुके हैं।

अमेरिकी धमाकों से दहला ईरान, खामेनेई को दफनाया जाना है मशहद में, तेहरान ने कतर, बहरीन, कुवैत पर किया हवाई हमला

तेहरान

अमेरिका ने लगातार दूसरी रात ईरान पर भीषण हमला किया है। इससे ईरान के कई शहरों में भारी नुकसान होने का दावा किया गया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने वाशिंगटन के सहयोगी देशों पर हवाई हमले कर सीधी चुनौती दी है। बहरीन और कुवैत में घंटों हमले की चेतावनी के सायरन बजते रहे। कतर पर भी मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबर है। ईरान पर हुए हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाना है। सारी दुनिया की नजर इस अंतिम संस्कार समारोह पर लगी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष के केंद्र बिन्दु होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी शहर बुशहर, चाबहार, बंदर अब्बास, सिरिक, जास्क और अबू मूसा द्वीप में रातभर शक्तिशाली विस्फोट हुए हैं। अमेरिकी हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का

कहना है कि यह हमले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान के हमलों के बदले में किए गए हैं। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को उनके गृहनगर मशहद में दफनाया जाना है। इससे पहले इराक के शहर नजफ और कर्बला में उनके अंतिम संस्कार जुलूस में लाखों लोग शामिल हुए। तेहरान ने हमले में तबाह दिवंगत ईरानी नेता के परिसर के मलबे का फुटेज जारी किया है। अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के एकीकृत सैन्य हमले में मारे गए थे। खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्मों का आखिरी दिन है। समूचा ईरान शोक में डूबा हुआ है। मशहद में ताबूत के सुपुर्द-ए-खाक होने के बाद ईरान में 40 दिन का शोक घोषित किया जाएगा। कतर में लोगों से घरों के अंदर रहने, कांच की खिड़कियों से दूर रहने और अगला अलर्ट जारी होने तक बाहर न निकलने को कहा गया। इसके कुछ ही देर बाद एक और संदेश भेजा गया, जिसमें कहा गया कि खतरा टल गया है और लोग अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट सकते हैं। कुवैत में स्थिति अलग रही। रक्षा मंत्रालय ने कुछ ड्रोन और मिसाइलों को रोके जाने की सूचना दी। लेकिन लक्ष्यों या किसी प्रभाव के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी। लोगों को सावधान रहने के लिए चेताया गया। बहरीन में भी गृह मंत्रालय ने लोगों को इसी तरह का अलर्ट भेजा, लेकिन यह नहीं बताया कि ईरान ने हमला किया या नहीं। उधर, गल्फ इलाके के देशों ने संभावित जवाबी हमलों की तैयारी शुरू कर दी है। ईरान का कहना है कि वह अपने इलाके पर होने वाले हमलों के स्रोतों पर हमला कर रहा है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई का कहना है कि देश के सर्वोच्च नेता ने ईरानियों को अमेरिका से न डरना सिखाया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि अमेरिका जोरदार तमाचे का इंतजार करे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि अगर ईरान हमले करता है तो अमेरिकी सेना उससे 20 गुना ज्यादा जोरदार हमला करेगी। उन्होंने कहा कि ईरान की तबाही के दिन आ गए हैं। व्हाइट हाउस के लिए सबसे जरूरी यह सुनिश्चित करना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहे। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिल्वौकी में बुधवार को कहा कि ईरान ने एमओयू का उल्लंखन किया है। उसे इसकी कीमत चुकानी ही होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैन्य जवाबी कार्रवाई जारी रहेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सहीं भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक़्क़तें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने–फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ जाएगा

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक़्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक़्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक़्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 जुलाई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 08:18 तक
नक्षत्र : भरणी दोपहर 01:16 तक
योग : धृति प्रातः 07:14 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:18 तक
चन्द्रराशि : मेष सायं 06:45 तक
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 08:18 तक , एकादशी तिथि का क्षय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़ना जीवन का सौभाग्य, निस्वार्थ सेवा की यह मिसाल समाज के लिए प्रेरणास्रोत : उमा डालमिया

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, मरीजों के परिजन एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में उपस्थित सभी सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उमा डालमिया ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण, अनुशासन और प्रेम के साथ प्रतिदिन अन्नदान सेवा कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत कार्यों में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में प्रतिदिन बिना किसी भेदभाव के भूखे और जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुँचाना अत्यंत पुण्य और प्रेरणादायी कार्य है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति के चेहरे पर भोजन मिलने के बाद जो संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, वही इस सेवा की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

उमा डालमिया ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़ना उनके जीवन का सौभाग्य है। यह केवल अन्नदान करने वाला संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, सहयोग, करुणा और सामाजिक समरसता का एक सशक्त परिवार है। इस ग्रुप से जुड़कर हर व्यक्ति में सेवा का भाव स्वतः जागृत होता है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि राधारानी की असीम कृपा से उन्हें इस सेवा अभियान का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ है, जिसके लिए वे स्वयं को धन्य महसूस करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा कार्यों के पीछे संगठन के संयोजकों सतीश कुमार गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल का अथक परिश्रम, दूरदर्शिता और समर्पण है। इन सभी के निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग और सकारात्मक सोच के कारण आज यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है तथा प्रतिदिन अनेक जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुँचाया जा रहा है। यही कारण है कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोग इस सेवा अभियान से प्रेरित होकर निरंतर जुड़ रहे हैं और अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान सेवा सहयोगियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ अन्नदान सेवा संपन्न कराई। उपस्थित सभी सदस्यों ने भविष्य में भी नियमित रूप से इस सेवा अभियान से जुड़े रहने तथा अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मनोज डालमिया एवं उमा डालमिया सहित अन्य सेवा सहयोगियों ने सक्रिय रूप से अन्नदान सेवा में भाग लिया। कार्यक्रम का वातावरण राधे–राधे के जयघोष, सेवा, श्रद्धा और मानवता की भावना से ओत–प्रोत रहा।

आत्म–जागृति, सत्संग और निष्काम कर्म से होता है आत्मा का कल्याण : डॉ. प्रतिभाश्रीजी

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ, कोरा (सिख विलेज, सिकंदराबाद) के तत्वावधान में आनंद भवन, कोरा में राजस्थान सिंहनी, उपप्रवर्तिनी सद्गुरुवर्या श्री चारित्रप्रभाजी म.सा. की सुशिष्या, जिनशासन चंद्रिका, दक्षिण दीपिका, चारित्र सौरभ महासाध्वी परम पूज्या डॉ. श्री प्रतिभाश्रीजी म.सा. के सान्निध्य में भव्य प्रवचन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वी परम पूज्या ऋषिताश्रीजी म.सा., अनुज्ञाश्रीजी म.सा., सर्वज्ञाश्रीजी म.सा. तथा प्रियांगीश्रीजी म.सा. भी विराजमान रहीं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

आत्मा के कल्याण का मार्ग आत्म–जागृति और सत्संग

संघ के मंत्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि महासती पूज्या डॉ. प्रतिभाश्रीजी आदि ठाणा का प्रवचन प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक संपन्न हुआ। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में महासतीजी ने कहा कि आत्मा का कल्याण (मोक्ष अथवा परम शांति) आत्म–जागृति, सत्संग और निष्काम कर्म के मार्ग से ही संभव है। इसके लिए व्यक्ति को अपने दोषों को स्वीकार करना, सात्विक विचार अपनाना, शास्त्रों का नियमित स्वाध्याय करना तथा सांसारिक मोह–माया से ऊपर उठकर अपने भीतर स्थित परमात्मा को पहचानने का प्रयास करना चाहिए।उन्होंने कहा कि आत्म–दर्शन और आत्म–जागृति ही आत्मा के कल्याण का वास्तविक आधार हैं। जब मनुष्य अपनी कमियों और गुणों को निष्पक्ष भाव से स्वीकार करता है, तभी वह अज्ञान और सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है।

19 जुलाई को रामकोट संघ में होगा चातुर्मास मंगल प्रवेश

मंच का संचालन करते हुए संघ के महामंत्री गौतमचंद मुथा ने बताया कि महासती पूज्या डॉ. प्रतिभाश्रीजी आदि ठाणा का चातुर्मास मंगल प्रवेश 19 जुलाई, रविवार को रामकोट संघ में होने जा रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि श्री मरुधर केशरी जैन गुरु सेवा समिति, त्रयनगर के तत्वावधान में मरुधर केशरी श्री मिश्रीमलजी महाराज साहब एवं लोकमान्य संत शेरे राजस्थान श्री रूपचंदजी महाराज साहब का जन्मोत्सव 23 अगस्त, रविवार को भाग्यनगर गौशाला में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। समिति की ओर से महामंत्री गौतमचंद मुथा ने महासतीजी से इस आयोजन में सान्निध्य प्रदान करने की विनम्र प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि महासतीजी आदि ठाणा शुक्रवार प्रातः वेस्ट मारेडपल्ली पधारेंगे।

17 जुलाई के चातुर्मास प्रवेश में पधारने का किया आग्रह

संघ के अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल ने महासतीजी के समक्ष विनम्र निवेदन करते हुए कहा कि 17 जुलाई को महासती पूज्य आगमश्रीजी म.सा. आदि ठाणा का चातुर्मास मंगल प्रवेश आयोजित होगा। उन्होंने श्री संघ की ओर से महासतीजी से इस अवसर पर पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का अनुरोध किया।संघपति जैन रत्न संपतराज कोठारी ने अपने भाव व्यक्त करते हुए महासतीजी का कोरा संघ में पधारने तथा अपने मंगल प्रवचनों का लाभ प्रदान करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कोरा संघ को पूज्या प्रियांगीश्रीजी महाराज की दीक्षा कराने का ऐतिहासिक सौभाग्य प्राप्त हुआ था, जिसे समाज सदैव स्मरण रखेगा।

प्रवचन के पश्चात श्री संघ की ओर से श्रद्धालुओं के लिए गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की।

मंदिर चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 900 ग्राम चांदी व 65 हजार नकद बरामद

मंचेरियाल, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट की मंचेरियाल ज़ोन पुलिस ने मंदिर चोरी के मामले का खुलासा करते हुए अंतरजिला चोर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कई जिलों में मंदिरों और घरों में चोरी की वारदातों में शामिल रहा है। आज आयोजित प्रेस वार्ता में इंस्पेक्टर एस. प्रमोद राव, एसआई मधुसूदन और क्राइम स्टाफ उपेंद्र, महेश, लक्ष्मण व तिरुपति ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राउतु पवन, उम्र 26 वर्ष, पिता नागेश, निवासी दुब्बागुडेम गांव, महादेवपुर मंडल, जयशंकर भूपालपल्ली जिला का रहने वाला है। वह मजदूरी का काम करता है।

पुलिस ने आरोपी के पास से 900 ग्राम चांदी के आभूषण व पूजा सामग्री, 65 हजार रुपये नकद और एक वीवो मोबाइल फोन बरामद किया है। एंडोमेंट्स विभाग के जूनियर असिस्टेंट ठाकुर प्रताप सिंह की शिकायत के अनुसार, 5 जुलाई को मंचेरियाल स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में अज्ञात चोरों ने कार्यालय का ताला और अलमारी तोड़कर 65 हजार रुपये नकद, 900 ग्राम चांदी का सामान और एक मोबाइल फोन चुरा लिया था। शिकायत पर मंचेरियाल थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर डीसीपी भास्कर के पर्यवेक्षण और एसीपी प्रकाश व इंस्पेक्टर एस. प्रमोद राव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने श्री विश्वनाथ मंदिर के साथ 2 जुलाई को मंचेरियल बाईपास रोड स्थित शिव मंदिर में भी चोरी की बात कबूली।

जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ करीमनगर–1 टाउन, करीमनगर–2 टाउन, मंचेरियाल, हनमकोंडा, इंतजारगंज, अक्कनापेट और हुस्नाबाद थानों में कुल 20 चोरी के मामले दर्ज हैं। ये मामले भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज हैं। मामले का त्वरित खुलासा करने पर एसीपी प्रकाश ने इंस्पेक्टर एस. प्रमोद राव, एसआई मधुसूदन और क्राइम स्टाफ उपेंद्र, महेश, लक्ष्मण व तिरुपति की सराहना की।

जुक्कल विधायक के निर्देश पर डोंगली में बांटे गए कल्याण लक्ष्मी योजना के चेक

डोंगली, 9 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधायक थोता लक्ष्मीकांत राव के आदेशानुसार बुधवार को डोंगली मंडल तहसीलदार कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी योजना के चेक लाभार्थियों को वितरित किए गए।

स्थानीय नेता व अधिकारियों ने पत्रकारों को बताया कि इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष गजानन देसाई, जिला उपाध्यक्ष यूनुस पटेल, एएमसी उपाध्यक्ष परमेश पटेल, सरपंच फोरम अध्यक्ष लक्ष्मण पटेल, मंडल सरपंच बसवंत पटेल, संग्राम पटेल, धनु पटेल, विलास, प्रवीण पटेल और शिव रेड्डी शामिल हुए। र्यक्रम में मंडल एमआरओ, आरआई के अलावा योजना के लाभार्थी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मदनूर में कबाड़ी दुकानों पर बाल श्रम बच्चों का शोषण जारी

मदनूर, 9 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) स्थानीय कबाड़ी व्यापारियों पर 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम कराकर उनका शोषण करने के आरोप लगे हैं। व्यापारी बच्चों से बलपूर्वक या मजबूरी में काम करवा रहे हैं, जिससे वे शिक्षा और बचपन के अधिकारों से वंचित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कम उम्र में ही बच्चों को परिवार का भरण–पोषण करने के लिए कबाड़ी की दुकानों पर काम करना पड़ रहा है। संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण बच्चे शिक्षा से दूर होकर बाल श्रम की ओर मुड़ रहे हैं। इससे बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

स्थानीय जनता ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल कार्रवाई करे। बाल श्रमिकों को स्कूलों में प्रवेश दिलाकर उनका भविष्य सुरक्षित किया जाए और दोषी व्यापारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

खम्मम में आज मकिसान आशीर्वाद सभाफ, मुख्यमंत्री करेंगे संबोधन

मदनूर, 9 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने किसान भरोसा योजना के तहत नौ दिनों में किसानों के खातों में नौ हजार करोड़ रुपये जमा किए हैं। इस अवसर पर कल, 10 जुलाई 2026 को खम्मम जिले के चिंतकानी मंडल में मकिसान आशीर्वाद सभाफ का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री दोपहर 2 बजे इस सभा में शामिल होंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किसान मंचों के माध्यम से किया जाएगा। मंडल कृषि अधिकारी, मदनूर ने सरपंचों, उप–सरपंचों, जनप्रतिनिधियों और किसानों से अपील की है कि वे मदनूर किसान मंच, कृषक मंच बड़ा एकलारा और किसान मंच बड़ा तड़गुर पर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

विशेष मतदाता सूची संशोधन अभियान, बीएलओ ने बांटे गणना प्रमाण पत्र

मदनूर, 9 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल अंतर्गत बड़ा शक्करगा गांव में विशेष मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व मंडल विकास अध्यक्ष अनुसया और स्थानीय सरपंच विशालाक्षी ने अपने परिवार के साथ बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से एसआईआर गणना प्रमाण पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम में पूर्व मंदिर अध्यक्ष भी मौजूद रहे।स्थानीय सरपंच विशालाक्षी राम पाटील ने सभी नागरिकों से विशेष मतदाता सूची संशोधन अभियान का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक एसआईआर गणना फॉर्म भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं और लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान दें।

आईकेपी कर्मियों की समीक्षा बैठक, 100% ऋण लक्ष्य हासिल करने के निर्देश

मदनूर, 9 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल समाख्या (आईकेपी) कार्यालय में मदनूर और बिचकुंदा मंडलों के आईकेपी कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अतिरिक्त डीआरडीओ विजयलक्ष्मी और जिला परियोजना प्रबंधक श्रीनिवास ने भाग लिया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे मंडल में 60 वर्ष से अधिक उम्र की ऐसी महिलाओं के समूह बनाएं जो समुदाय से जुड़ नहीं पाई हैं। इसके साथ ही दिव्यांगों और किशोरियों के समूह बनाकर उनकी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करें। सभी महिलाओं को किसी न किसी समूह से जोड़ने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में बैंक ऋण और महिला निधि ऋण का वितरण निर्धारित लक्ष्य का 100% हासिल किया जाए। बकाया वसूली पर विशेष ध्यान देने और पिछड़े समूहों को मुख्यधारा में लाने के निर्देश दिए गए। यह भी कहा गया कि यदि बकायादार के परिवार का सदस्य सरकारी नौकरी में है, तो उसके कार्यालय को सूचित किया जाए। ऋण का सदुपयोग सुनिश्चित करने और सदस्यों को दैनिक आय वाले कार्यों के लिए प्रेरित करने पर बल दिया गया। बैठक में दोनों मंडलों के आईकेपी स्टाफ, एपीएम जगदीश कुमार और रविंदर उपस्थित थे।

जिला चिकित्सा अधिकारी ने डीसीएचएस अस्पताल का निरीक्षण किया

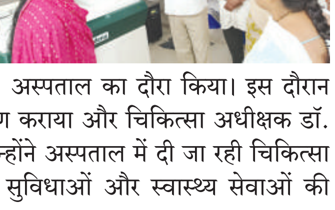

पेद्दापल्ली, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वाई. पवित्रा ने बुधवार को पेद्दापल्ली स्थित जिला समन्वयक अस्पताल सेवा (डीसीएचएस) अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में दंत परीक्षण कराया और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर से मुलाकात की। उन्होंने अस्पताल में दी जा रही चिकित्सा सेवाओं, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर चर्चा की।

डॉ. पवित्रा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को रोगी–केंद्रित सेवाओं को प्राथमिकता देने और सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने की सलाह दी। उन्होंने बेहतर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी से समन्वय से काम करने को कहा।इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी और संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

जानिये पंजाबी दुल्हनें क्यूं पहनती हैं चूड़ा

अगर आप किसी पंजाबी फ्रेंड की शादी में गई होंगी, तो आपने दुल्हन को चूड़ा पहने हुए जरुर देखा होगा। वैसे तो दुल्हनें ढेर सारी ज्वैलरी पहनती हैं मगर उनमें से चूड़े का महत्व सबसे ज्यादा होता है। आज कल तो चूड़ा पहनने का रिवाज ना सिर्फ पंजाबियों में ही बलकि भारत के अलग अलग कोनों में भी होने लगा है।

पंजाबियों में शादी के दिन होने वाली दुल्हन के घर पर चूड़ा और कलीरा नामक सेरेमनी भी होती है। इन लाल रंग की चूड़ियों का आखिर इतना महत्व क्यूं है और इसे क्यों पहना जाता है, आज हम इसी के बारे में खुलासा करेंगे।

क्या है चूड़े से जुड़ हुए रिवाज

चूड़ा सेरेमनी शादी की सुबह दुल्हन के घर पर ही होती है। दुल्हन के मामा, उसके लिये चूड़ा ले कर आते हैं, जिसमें लाल और सफेद रंगों की 21 चूड़ियां होती हैं। दुल्हन इस चूड़े को तब तक नहीं दे पाती है जब तक की वह पूरी तरह से तैयार ना हो जाए और मंडप पर दुल्हे के साथ ना बैठ जाए। **साल भर तक पहनना होता है चूड़ा**

पंजाबी रिवाज के हिसाब से दुल्हन को लगभग 1 साल तक चूड़ा पहनना होता है। हांलाकि आज कल दुल्हनें ज्यादा से ज्यादा 40 दिनों तक ही इसे पहनती हैं।

चूड़े का महत्व

चूड़ा, शादी शुदा होने का प्रतीक है। साथ ही यह प्रजनन और समृद्धि का संकेत भी होता है। यह पति की भलाई के लिए भी पहना जाता है।

चूड़े की रस्म

दुल्हन को चूड़ा शादी के मंडप में ही उसकी मामा जी ही देते हैं। उस दौरान दुल्हन की आंखें उसकी मां बंद कर देती हैं।

जिससे वह चूड़े को ना देख पाएं नहीं तो खुद उसी की नजर उस चूड़े पर लग जाएगी। चूड़े को शादी की एक रात पहले दूध में भिगो कर रखा जाता है।

चूड़ा उतारने की रस्म

पहले के जमाने में जब चूड़ा उतारना होता था तब घर पर छोटा सा आयोजन किया जाता था। उसमें दुल्हन को शगुन और मिठाई दी जाती थी और फिर चूड़ा उतार कर उसकी जगह पर कांच की चूड़ियां पहना दी जाती थीं। चूड़े को किसी नदी के पास उतारा जाता था और छोटी सी पूजा के बाद नदी में ही उसे बहा दिया जाता था।

कलीराकी रस्म

हर पंजाबी दुल्हन अपनी चूड़ियों में कलीरा बांधती है जो उसकी प्रिय सहेलियों ने बांधा होगा। कलीरा की सेरेमनी ठीक चूड़ा सेरेमनी के बाद होती है।

जब सिर पर गिरे कलीरा

एक बार जब कलेरी दुल्हन की चूड़ियों के साथ बांध दी जाती है, तब उसे अपने हाथों को अपनी सिंगल सहेलियों के सिर पर झटकना होता है। फिर कलीरा जिसके सिर पर भी गिरती है, शादी का नेक्स्ट नंबर उसी का होता है।

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिये अपनाएं ये उपाय

घर, जिससे हम ना चाह कर भी कुछ नहीं छुपा सकते। इसकी रंगीन दीवारे चुपके से हमारी सीरी बाते सुन रही हैं, हवा में लहराते पर्दे हमारी ख़ुशियों में झूम रहे हैं। बिसतर पर बिछी चादर ख़ुद में हमारे आंसूओं को समेट रही है और घर के दरवाज़े, आने वाल हर शख्स की आहट को पहचानते हैं।

घर इतने करीब रह कर हमारा घर स्वयं में हमारी नकारात्मक ऊर्जा को समेट लेता है जो कई बार हमारी उदासी या जीवन में पैदा होने वाली रूकावटों का कारण बनते हैं।

ऐसी नकारात्मक ऊर्जा को घर से बाहर निकालने के लिए हम आपके लिए कुछ उपाय ले कर आए हैं। तो अगर आपको भी ऐसा लगता है कि घर में घुसते ही तनाव का माहौल भर उठता है और मन में उदासी होने लगती है तो आपको जरुर आजमाने चाहिये ये तरीके।

1 घर की पेंटिंग कराएँ

हमारी नकारात्मक ऊर्जा केवल हमारे साथ नहीं चलती बल्कि हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उनमें बस जाती है। घर के पर्दे, दीवारें या घर का फर्नीचर हमें हमारे मुश्किल वक्त का एहसास कराता रहता है, जैसे उस ने भी वह पल जीया हो।

अत: अगर आप किराए पर घर ढूंढ रहे हैं तो बेहतर होगा कि एक वेल फर्निश्ड घर की बजाय एक खाली मकान खरीदें।

घर में प्रवेश करने से पहले मकान मालिक से कह कर घर की पेंटिंग कराएं तथा प्रवेश करने से एक दिन पहले पूरे घर में नमक के पानी से पोछा लगाएं एवं घर के दरवाजे एवं खिडकियों को भी अच्छे से पोछें।

2 ताजी हवा एवं धूप

सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाने में बहुत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। घर की सारी खिडकियां व दरवाजों को खोलें और ताजी हवा को अंदर आने दें। आप चाहें तो पंखा भी चला सकते हैं।

3 नमक के पानी से फर्श पोछें

एक बाल्टी पानी में एक कप मोटा नमक डालें और इस पानी से पूरे घर में पोछा लगाएं। नमक को काफी शुभ माना जाता है तथा कुछ लोग घर खाली करते वक्त घर में नमक छोड कर जाते हैं। नमक आपके घर में नकारात्मकता को प्रवेश करने से रोकता है। यदि आप अपने घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखना चाहते हैं तो माह में एक दिन इस नमक वाले पानी से अपने घर में पोछा लगाएं।

4 अगरबत्ती या धूप जलाएं

अगरबत्ती और धूप में मौजूद खुशबू आपके घर को महक से भर देगी। ये सुगंधित चीजें आपके घर को एक नई ऊर्जा के साथ भरती हैं।

5 तिल का तेल जलाएं

कहते हैं कि तिल के तेल को जलाने से आपके आस-पास बुरी शक्तियां नहीं भटकती। यह काला जादू को भी विफल करने की शक्ति रखता है।

6 भजन सुनें व गायत्री मंत्र का उच्चारण करें

यदि आपको कोई मंत्र या श्लोको आता है तो रोज सुबह नहाने के बाद उसका उच्चारण करें। घर के वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए किसी भजन गायक की सीडी चलाएं। इस तरह आपका मन शांत रहेगा एवं आप अपने दिन की शुरूआत सही तरीके से कर पाएंगे। यह आदत आपके ध्यान को केंद्रित रखती है एवं आपके मन में बुरे विचारों को पनपने से रोकती है। चाहे तो इसे आजमा कर देख सकते हैं।

7 पूजा व हवन

घर में प्रवेश करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लें। इसके लिए आप किसी पंडित को बुलाकर हवन या पूजा करवाएं। भगवान के आशीर्वाद से रखा गया पहला कदम आपके लिए शुभ साबित होगा।

8 ध्यान

ध्यान, आपके विचलित मन को शांति से भरता है। ध्यान करने के बाद व्यक्ति को सुकून महसूस होता है। प्राणायाम वायु के माध्यम से आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को बाहर निकालता है। प्राणायाम से आप अपनी भावनाओं पर काबू पा सकते हैं।

9 बेकार पडी चीजों को दान करें

अक्सर हमारे पास पुरानी चीजों का अंबार लगा होता है। इन पुरानी चीजों के साथ हमारी पुरानी यादें भी जुडी होती हैं। कुछ अच्छी तो कुछ बुरी। जब तक आप पुरानी चीजों को निकाल बाहर नहीं करेंगे नई चीजों के लिए स्थान नहीं बनेंगे। आप चाहें तो इन चीजों को दान में दे सकते हैं या बेच भी सकते हैं।

10 अपने घर को व्यवस्थित रखें

घर के कोनों की अच्छे से सफाई करें तथा टूटा व बेकार पडी चीजों को बाहर फेंके। अपने घर को साफ्व सही ढंग से सजाकर रखें क्योंकि ख़ूबसूरत वस्तु अपनी जगह पर सजी अच्छी लगती है। ऐसे सजे हुए घर में बैठकर आपको भी अच्छा महसूस होगा और इसका सीधा प्रभाव आपके मन पर पडेगा।

सत्य का ज्ञान

जाबाल के पुत्र सत्यकाम गुरुकुल में रहकर ब्रहम के सत्य के बारे में जानना चाहते थे। मां जाबाला की आज्ञा लेकर वे गौतम ऋषि के आश्रम चले आए। ऋषि ने चार सौ दुर्बल गायों को उन्हें सौंपते हुए कहा, 'वत्स। इन गायों के स्वस्थ होने के साथ-साथ जब इनकी संख्या भी बढ जाए, तब मेरे पास आ जाना। सत्यकाम उन गायों को लेकर तुरंत वन चले गए। दिन-रात गायों की हिंसक पशुओं से सुरक्षा और उनकी देखभाल ही उनकी साधना बन गई।

जंगल की खुली हवा, ताजा घास और स्वच्छ पानी मिलने के कारण समय के साथ न केवल गायें पूरी तरह स्वस्थ हो गईं, बल्कि उनकी संख्या भी पूरी एक हजार हो गई। इसके निरंतर ध्यान, शुद्ध एवं शांत वातावरण ने सत्यकाम को पूरी तरह एकाग्रचित्त बना दिया। उनकी सेवा रूपी तपस्या से ईश्वर उन पर प्रसन्न हुए और उन्हें ब्रहम का ज्ञान हो गया। जब वे गायों को लेकर आश्रम पहुंचे, तो उनकी उपलब्धियां देखकर आचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए। तब सत्यकाम ने उनसे ब्रहमज्ञान का उपदेश देने का आग्रह किया। इसके जवाब में आचार्य ने कहा कि तुम्हें सत्य का ज्ञान हो गया है। अब और किसी उपदेश की जरूरत नहीं है। तब सत्यकाम ने उनसे कहा कि वह अपने गुरु के मुख से सत्य को, ब्रहम को जानना चाहते हैं। इस तरह उन्होंने आचार्य से संपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया। सत्यकाम पूर्ण ज्ञानी होकर वापस घर आ गए और शांति के साथ अपने धर्म का पालन करने लगे।

भूल कर भी न करें ये 5 काम, इनसे मिलता है अपमान

जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब मान-सम्मान की रक्षा के लिए लोगों ने अपने प्राण भी गंवा दिए।

इसके विपरीत कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें उनके बुरे कामों के कारण जीवन में कभी न कभी अपयश यानी अपमान का सामना करना पडता है। गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पडता है। आज हम आपको उन्हीं कामों के बारे में बता रहे हैं। गरुण पुराण के अनुसार वो 5 काम इस प्रकार हैं-

अर्थात - 1. दरिद्र होकर दाता होना, 2. धनवान होने पर भी कंजूस होना, 3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना, 4. दुष्ट लोगों की सेवा करना तथा 5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना। इन 5 कामों से अपमान ही मिलता है।

1. दरिद्र होकर दाता होना

जब कोई गरीब व्यक्ति अपनी हैसियत से अधिक दान देता है तो उसे व उसके परिवार को धन से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पडता है। यदि ऐसा वह बार-बार करता है तो कई बार स्थिति बहुत ही कठिन हो जाती है। ऐसा कुछ लोग दूसरों को दिखाने के लिए भी करते हैं, लेकिन इस दिखावे में वह यह भूल जाते हैं कि इसके कारण उसके परिवार को परेशानी हो सकती है। इसलिए दान देते समय अपनी आर्थिक स्थिति जरूर देख लेना चाहिए, नहीं तो आगे जाकर अपमान का सामना करना पड सकता है।

2. धनवान होने पर भी कंजूस होना

अगर आपके पास पर्याप्त धन है और फिर भी आप कंजूस हैं तो इसके कारण भी आपको अपमानित होना पड सकता है। सोच-समझकर पैसा खर्च करना अच्छी बात है, लेकिन जब ये जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो आप कंजूस की श्रेणी में आ जाते हैं। जिस जगह जितना खर्च करना जरूरी है, उतना तो करना ही चाहिए। अगर आप वहां से भी पैसा बचाने की कोशिश करेंगे तो लोग आपको कंजूस ही समझेंगे। कंजूस लोगों को अपनी इस आदत के कारण कई बार अपमान का सामना करना पडता है। इसलिए पैसों का सही उपयोग करें, लेकिन कंजूस न बनें।

3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना

जिस व्यक्ति का पुत्र उसके कहने में नहीं होता, उसे भी परिवार, समाज के सामने अपमानित होना पडता है। पुत्र आज्ञाकारी नहीं होगा तो वह अपनी मनमानी करेगा। कई बार ऐसे पुत्र कुछ ऐसा काम कर देते हैं, जिसके कारण न सिर्फपिता को बल्कि पूरे परिवार व कुटुंब को ही अपमान झेलना पडता है। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां पुत्र के कारण पिता को अपमानित होना पडा जैसे- दुर्योधन के कारण धृतराष्ट्र का राजपाट ही नहीं बल्कि पूरे परिवार का ही नाश हो गया। इसलिए कहते हैं कि पुत्र आज्ञाकारी हो तो इससे बडा सुख दुनिया में और कोई नहीं है। और यदि पुत्र अपने पिता की बात नहीं मानता तो इससे बडा कोई दुख नहीं है।

श्लोक-

दाता दरिद्र: कृपणोर्थयुक्त: पुत्रोविधेय: कुजनस्य सेवा।
परापकारेषु नरस्य मृत्यु: प्रजायते दुश्चरितानि पञ्च।।

4. दुष्ट लोगों की सेवा करना

जो लोग दुष्ट यानी बुरे काम करने वाले लोगों के साथ रहते हैं व उनकी सेवा करते हैं अर्थात उनकी बात मानते हैं, ऐसे लोगों को भी अपने जीवन में कभी न कभी अपमानित जरूर होना पडता है। जो लोग बुरे काम करते हैं, वे हमेशा अपने निजी स्वार्थ के बारे में सोचते हैं। जरुरत पडने पर वह अपने साथी को भी बलि का बकरा बना सकते हैं। जिस दिन इन लोगों की सच्चाई सामने आती हैं इनके परिवार वालों को भी शर्मिंदा होना पडता है। उनके साथ-साथ उनके लोगों के साथ रहने वाले लोगों भी अपमानित होना पडता है। इसलिए बुरे काम करने वाले लोगों से दूर रहने में भलाई है।

5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना

अगर किसी का नुकसान करते हुए आपकी मौत हो जाती है तो ये भी अपमान का कारण है। हालांकि मृत्यु के बाद मान-अपमान का कोई महत्व नहीं रह जाता, लेकिन आपकी कमाई इज्जत पर इसका असर जरूर पडता है। आपके परिवार व आने वाली पीढ़ियों को भी आपके द्वारा किए गए इस काम के कारण शर्मिंदा होना पड सकता है। इसलिए कभी भी किसी का नुकसान नहीं करना चाहिए, यहां तक कि सोचना भी नहीं चाहिए।

गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पडता है। जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

कुशा: काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दका:। गोधूमा ब्राहमयो मौन्जा दश दर्भा : सबल्वजा:।।

कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

स्टडी रूम के दक्षिण-पूर्व में लगाएं मनीप्लांट

फेंगशुई का उपयोग आज कल बहुत तेजी से बढ गया है। खासकर लोग इनको अपनी समस्यायों के समाधान के लिए ज्यादा प्रयोग करते हैं, फेंगशुई का प्रयोग हम एकाग्रता बढाने के लिए भी कर सकते हैं, जानते हैं कैसे।

- अपनी स्टडी रूम में हरे पर्दो का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हे तुरंत हटा दें, क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।
- स्टडी रूम व घर में कहीं भी बंद घडियां नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हे ठीक करा लें।
- अपनी टेबल पर ग्लास, क्रिस्टल की वस्तुएं रखें जैसे कांच के हनुमान जी, गणेश जी, पिरमिड, प्रिज्म, और एजुकेशन टावर रखें।
- सकारात्मक ऊर्जा और पढाई में एकाग्रता के लिए पढाई के कमरे के दक्षिण-पूर्व कोने में मनी प्लांट लगाएं तथा उत्तर-पूर्व दिशा में फिश एक्वेरियम रखें।
- विद्यार्थी अपनी स्टडी टेबल पर ईशान कोण में गणेश हैंडीक्राट की मूर्ति रखें, इससे शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है व अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। उनके भी सक्रिय होकर उनकी मदद करते हैं।
- विधार्थी अपनी पूर्व की दीवार साफ-सुथरी रखें। हरा बल्ब, हरा पौधा, हरा पिरामिड पूर्व में रखें। बैंबू प्लांट भी रख सकते हैं।
- स्टडी रूम के लिहाज से पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा का कमरा बेहतर माना जाता है। साथ ही अगर बच्चा ईशाण कोण या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके पढता है तो परिणाम बेहतर होंगे। ऐसे में कमरे की इस दिशा में क्राट्र्ज क्रिस्टल को रखें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहेगा।
- शतरं'ज-रणनीति, किताबें-अध्ययन, पेंटिंग-रचनात्मकता और बांसुरी-संगीत का प्रतिनिधित्व करता है। लिहाजा स्टडी रूम के उत्तर-पूर्व दिशा में इन चिन्हों को रखने से शैक्षणिक सफलता मिल सकती है।
- कई बार कमरे में सारी चीजें सही दिशा और सही जगह पर रहने के बाद भी सकारात्मक प्रभाव नहीं मिलता। ऐसे इसलिए होता है कि क्योंकि कमरे में स्थिरता आ जाती है। ऐसे में कमरे को पुन:व्यवस्थित करें और चीजों को नए क्रम में सजाएं। साथ ही सप्ताह में एक बार बच्चों के स्टडी रूम में नमक के पानी से पोछा लगाएं। इससे भी कमरे में पॉजिटिव माहौल बना रहता है।
- बच्चों के अध्ययन कक्ष में यदि आईना है तो उसे इस तरह से न रखें कि पढाई करते वक्त उसमें बच्चों की परछाई पडे, क्योंकि इससे बच्चों की पढाई का बोझ दोगुना हो सकता है।

ऐसा करेंगे तो शिव होंगे जल्द प्रसन्न

देवों के देव महादेव सबसे जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं।

शिव पूजा करते समय बिल्वपत्र, कमल, कुश, दुर्वा, धतूरा, आक, कनेर, श्रृंगार, शमी, शहद, दुग्ध, कुशा, ईख, गंगा जल, और ऋतु फल के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने से भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि श्रावण माह में यदि शिव को प्रसन्न करना है, तो उनकी आराधना जरूर करनी चाहिए।

इसीलिए सप्ताह के सातों दिन शिव की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि रविवार को शिव आराधना करने से पाप का नाश होता है। सोमवार को शिवलिंग की पूजा करने पर धन लाभ, मंगलवार को शिवपूजा करने पर स्वास्थ्य लाभ मिलता है। बुधवार को शिवपूजा करने से संतान प्राप्ति होती है।

गुरुवार को शिव की आराधना करने से आयु में वृद्धि होती है। शुक्रवार को शिव की पूजा करने पर इंद्रिय सुखों की प्राप्ति होती है और शनिवार को भगवान शिव की आराधना करने पर मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्रावण माह में सप्ताह के सातों दिन पूजा करने पर भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।

जानकारी

कुर्मासन से करे कब्ज की समस्या दूर

अनियमित खानपान और जीवनशैली की सबसे अधिक मार पड़ी है पेट और पाचन तंत्र पर। ठीक समय पर खाना नहीं।खाने के बाद कोल्डड्रिंक पीना।खाने में पिज्जा खाना... सुबह-सुबह उठकर कॉफी पीना... ये सारी आदतें आपके पाचन तंत्र को कमजोर कर देती है । जिससे खाना अच्छी तरह से पचता नहीं है और कब्ज की समस्या होती है। आज शहर की आधी आबादी कब्ज की समस्या से जूझ रही है, जिससे राहत पाने के लिए कई लोग कई हकीमों और बाबाओं के चुर्णों का सेवन कर रहे हैं।अगर आप भी मन मसोस कर चुर्णों का सेवन कर रहे हैं तो ये कुर्मासन अभ्यास आपको इन चुर्णों और कब्ज से छुटकारा दिलाने में मददगार हो सकता है।

कब्ज के लिए कुर्मासन अभ्यास: अगर आप दस साल या दस दिन पुराने किसी भी तरह के गंभीर या हल्के कब्ज की समस्या से गुजर रहे हैं

तो कुर्मासन का अभ्यास करिए। कब्ज से छुटकारा दिलाने में कुर्मासन काफी फायदेमंद साबित होता है।

क्यों है फायदेमंद

कुर्मासन अभ्यास से पूरे शरीर की स्ट्रेचिंग हो जाती है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और पाचन-तंत्र मजबूत होता है और खाना अच्छी तरह पच जाता है।

अन्य फायदे: इस आसन से रीढ़ की हड्डी की अच्छी तरह से स्ट्रेचिंग हो जाती है जिससे अगर इंसान को पीठ व गले में दर्द की समस्या होती है तो छुटकारा मिलता है। इन सबके अलावा ये सिरदर्द के लक्षणों और दिमाग में हैप्पी हार्मोंस पैदा करने के कारण तनाव को भी कम करता है।कुर्मासन करने से पेट के आसपास एकत्र हुई चर्बी भी कम होती है।

ऐसे करें कुर्मासन का अभ्यास: सबसे पहले जमीन पर अपने दोनों पैर आगे की तरफ फैलाकर बैठ जाएं। फिर अपनी दोनों हाथों की हथेलियों को अपने हिप्स के सामांनातर जमीन पर रखें।

फिर हल्का-हल्का दबाव डालकर अपनी जांघों को जमीन पर दबाइए और अपने पांव को मोड़ते हुए नीचे जमीन की तरफ झुकिए। फिर धीरे-धीरे प्रयास कर अपनी छाती और गर्दन को ऊपर उठाएं। इसी स्थिति में कुछ देर तक सांस रोक कर रहें और ध्यान लगाएं। फिर धीरे-धीरे पहले वाली स्थिति में आएं। इस आसन को चार से पांच बार करें।

ये लोग इस आसन को ना करें

» जिन लोगों को या साइटिका और स्लिप डिस्क की समस्या है उन्हें ये आसन नहीं करना चाहिए।

» हर्निया और क्र ोनिक अर्थराइटिस के मरीजों को भी ये आसन करने से बचना चाहिए।

नोट- शुरुआत में इस आसन का अभ्यास अपनी शरीर की क्षमता के अनुसार ही करें।

मॉनसून में यूं रखें अपनी सेहत का ख्याल

बारिश की बूंदें, सुहाना मौसम और गर्मा गर्म पकौड़ों के अलावा कुछ और भी है जो इस मौसम में मिलता है और वह है इंफेक्शन और बीमारियां। लिहाजा मॉनसून में आप बीमार न पड़ें और इस मौसम का अच्छी तरह से मजा उठा सकें इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें...

शरीर को साफ रखें

इन दिनों शरीर की साफ-सफाई का ज्यादा ध्यान रखें। जितना मुमकिन हो, शरीर को सूखा और फ्रेश रखें। बारिश में बार-बार भीगने से बचें। ऐंटिबैक्टीरियल साबुन से दिन में 2 बार नहाएं। बारिश में भीगने के बाद साफ पानी में डिसइंफेक्टेंट (डिटॉल, सैवलॉन आदि) मिलाकर अच्छी तरह नहाएं। दूसरों का तौलिया या साबुन शेयर न करें। बाहर से आकर हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोएं। खाना खाने से पहले भी हाथ जरूर धोएं।

बाहर का खाना न खाएं

इस मौसम में खाने में बैक्टीरिया जल्दी पनपता है। बाहर जाकर पानी पूरी, भेल पूरी, चाट, सैंडविच आदि खाने से बचें। कटे फल और सब्जियां खाने से भी इंफेक्शन का खतरा रहता है लिहाजा इनसे भी बचें। बाहर का जूस या पानी भी न पिएं। इस दौरान तेल-भुने खाने के बजाय हल्का खाना खाने की आदत डालें, जो आसानी से पच सके क्योंकि बरसात में गैस, अपच जैसी पेट की समस्याएं ज्यादा होती हैं। अपने पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के लिए लहसुन, काली मिर्च, अदरक, हल्दी और धनिया का सेवन करें। बासी खाना खाने से भी बचें।

सब्जियों को अच्छी तरह धोएं

फल और सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं खासकर पत्तेदार सब्जियों को क्योंकि इस मौसम में उनमें कई तरह के लार्वा और कीड़े होते हैं। हल्के गर्म पानी से सब्जी और फलों को धोएं, फिर उन्हें आधे घंटे तक नमक मिले पानी में भिगोकर रखें। सब्जियों को पकाने से पहले 5 मिनट उबाल लें तो और भी अच्छा है। इससे कीटाणु तो खत्म होंगे ही, फल-सब्जियों पर लगे आर्टिफिशल कलर और केमिकल भी हट जाएंगे। इसके अलावा सब्जियों को अच्छी तरह पकाएं। कच्चा या अधपका खाने का मतलब है कि आप बीमारियों को दावत दे रहे हैं।

पानी उबाल कर पिएं

मॉनसून में सिर्फ फिल्टर्ड और उबला हुआ पानी ही पिएं। ध्यान रखें कि पानी को उबाले हुए 24 घंटे से ज्यादा न हो। अपने फ्रिज की बोतलों को बदलने और हर तीसरे-चौथे दिन साफ करने की आदत डालें। इस मौसम में कई बार प्यास नहीं लगती फिर भी दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं वरना शरीर में पानी की कमी हो सकती है।

हवादार कपड़े पहनें

मॉनसून में ढीले, हल्के और हवादार कपड़े पहनें। टाइट और ऐसे कपड़े न पहनें, जिनका रंग निकलता हो। ध्यान रखें कि कपड़े धोते हुए उनमें साबुन न रह जाए वरना स्किन इंफेक्शन हो सकता है। अगर बारिश में कपड़े भीग गए हैं तो फौरन बदल लें ताकि सर्दी-जुखाम न हो।

हेल्थ अलर्ट

गर्भनिरोधक गोलियों से भी बढ़ सकता है खतरा...

मोटापे के अलावा, गर्भ-निरोधक गोलियों और दूसरे कारकों- जैसे धूम्रपान, उच्च रक्तचाप या मधुमेह से महिलाओं में स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि गर्भ-निरोधक गोलियों से इस्कीमिक स्ट्रोक के खतरे में वृद्धि हुई है। इन गोलियों से रक्त का थक्का बन जाता है, जिससे दिमाग की रक्त वाहिनियों में अवरोध आ जाता है। जो महिलाएं गर्भ-निरोधक गोलियां लेती हैं, उनमें थोड़ा ज्यादा स्ट्रोक होने का खतरा होता है। यह खतरा महिला के गर्भधारण करने के दौरान और बढ़ जाता है, ज्यादा रक्तचाप बढ़ने से यह दिल पर दबाव डालता है। माइग्रेन भी महिलाओं में तीनगुना से ज्यादा स्ट्रोक को बढ़ा सकता सकता है। धूम्रपान करने वाली महिला को भी गर्भ-निरोधक गोलियां न लेने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

गंभीर स्थिति

स्ट्रोक एक गंभीर चिकित्सकीय आपात स्थिति है, जिससे अकाल मृत्यु और विकलांगता हो रही है। यह दिमाग में खून के प्रवाह के एक क्षेत्र में बंद होने से होता है, इसमें मस्तिष्क की कोशिकाओं को ऑक्सीजन नहीं मिलती और वे मरने लगती हैं। स्ट्रोक तब होता है, जब दिमाग के एक हिस्से में रक्त की आपूर्ति बंद हो जाती है। इससे दिमाग की इस इलाके की कोशिकाएं मरना शुरू हो जाती हैं। ऐसा उन्हें ऑक्सीजन और कार्य के लिए दूसरे जरूरी पोषक पदार्थ नहीं मिलने से होता है।

हीमोरहाजिक स्ट्रोक

इस्कीमिक स्ट्रोक के अलावा एक हीमोरहाजिक स्ट्रोक होता जो एक रक्त वाहिका के फटने और मस्तिष्क में खून की वजह से होता है। गठिया रोग से जुड़ा हृदयरोग और एट्रियल फाइब्रिलेशन युवतियों में स्ट्रोक के प्रमुख कारक के रूप में उभर रहा है। जब दिमाग की कोशिकाएं स्ट्रोक की वजह से मरने लगती हैं तो उस इलाके में मस्तिष्क की याददाश्त और मांसपेशियों के नियंत्रण की क्षमता खत्म हो जाती है। स्ट्रोक का उपचार इसके प्रकार पर निर्भर करता है। एक इस्कीमिक स्ट्रोक से हुए नुकसान को दवाओं के जरिए ठीक किया जा सकता है, बशर्ते घटना के तीन घंटे के भीतर उपचार शुरू हो जाए। हीमोरहैजिक स्ट्रोक के उपचार में दिमाग में होने वाले रक्तस्राव को नियंत्रित किया जाता है।

न्यायिक सेवाओं में उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए डॉ. श्रीनिवास राव कावेटी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

कनाडा लेगेसी ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड सहित कई वैश्विक सम्मान से नवाजे गए तेलंगाना के विधि विशेषज्ञ

तेलंगाना के प्रतिष्ठित विधि विशेषज्ञ, कावेटी लॉ फर्म के संस्थापक एवं प्रबंध अधिवक्ता तथा रैमसेयर एंड एसोसिएट्स पी.सी. के उपाध्यक्ष डॉ. श्रीनिवास राव कावेटी को विधि व्यवसाय, मानवाधिकार संरक्षण, मानवीय सेवाओं और अंतरराष्ट्रीय विधिक नेतृत्व में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'कनाडा ले-गेसी ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड फॉर ग्लोबल एडवोकेसी' से सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही उन्हें विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार एवं सम्मान भी प्रदान किए गए हैं।

डॉ. कावेटी को यूनाइटेड किंगडम के ऑक्सफोर्ड में प्रतिष्ठित नेल्सन मंडेला अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मानवाधिकारों की रक्षा, कानूनी सुधारों तथा समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय को सुलभ बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार समानता, संवैधानिक मूल्यों और कानून के शासन को सुदृढ़ करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना है।

इसके अतिरिक्त उन्हें अंतरराष्ट्रीय विधिक क्षेत्र में नेतृत्व और जटिल वैश्विक कानूनी मामलों के प्रभावी समाधान उपलब्ध कराने के लिए इंटरनेशनल काउंसिल लीडरशिप अवॉर्ड तथा मानवाधिकार, विधिक शिक्षा और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल ह्यूमन राइट्स लीडरशिप अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. कावेटी के उत्कृष्ट विधिक योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिली है। उन्हें विश्वप्रसिद्ध मार्क्विस हूज़ हू निर्देशिका में भी शामिल किया गया है,

जो विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले पेशेवरों को सम्मानित करती है। यह सम्मान उनके असाधारण पेशेवर योगदान और विधि क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों का प्रमाण है।

उनकी उपलब्धियों को अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी प्रमुखता से प्रकाशित किया है। एमएसएन ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे कानूनी मामलों के सफल प्रबंधन में उनके नेतृत्व को रेखांकित किया, जबकि यूएसए न्यूज़ ने वैश्विक स्तर पर कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराने और विधिक क्षेत्र में उनके योगदान की विशेष सराहना की।

इसी क्रम में डॉ. कावेटी को लंदन स्थित इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स की सदस्यता भी प्रदान की गई, जो अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था और विधिक सहयोग के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

मूल रूप से तेलंगाना के करीमनगर निवासी डॉ. श्रीनिवास राव कावेटी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा हैदराबाद में प्राप्त की। तीन दशकों से अधिक के अंतरराष्ट्रीय विधिक अनुभव के साथ वे वर्तमान में न्यूयॉर्क स्थित कावेटी लॉ फर्म के संस्थापक एवं प्रबंध अधिवक्ता तथा रैमसेयर एंड एसोसिएट्स पी.सी. में वरिष्ठ नेतृत्व की जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

उनकी कानूनी सेवाएं संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, भारत, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात सहित अनेक देशों तक विस्तारित हैं। उन्होंने आव्रजन कानून, अंतरराष्ट्रीय कानून, कॉर्पोरेट कानून, वाद-विवाद, मध्यस्थता, पारिवारिक कानून तथा रियल एस्टेट कानून जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय विशेषज्ञता प्राप्त की है।

भारत में विधि शिक्षा पूर्ण करने के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से अंतरराष्ट्रीय व्यापार, वाणिज्य एवं कराधान कानून में मास्टर ऑफ लॉज़ (एलएल.एम.) की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में सॉलिसिटर के रूप में योग्यता हासिल की तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च विधिक अध्ययन के दौरान कानून में पीएच.डी. की उपाधि अर्जित की। उनका शोध विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और विधिक मुकदमेबाजी रहा।

डॉ. श्रीनिवास राव कावेटी को प्राप्त प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मानों में नेल्सन मंडेला अवॉर्ड, ग्लोबल ह्यूमन राइट्स लीडरशिप अवॉर्ड, इंटरनेशनल काउंसिल लीडरशिप अवॉर्ड-2024 तथा कनाडा लेगेसी ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड फॉर ग्लोबल एडवोकेसी प्रमुख हैं।

रेसिपी

मेवे की गुझिया

सामग्री

तीन कप मैदा, एक चौथाई कप घी, चुटकीभर नमक, दो कप तेल, भरावन के लिए, दो कप घिसा सूखा नारियल, एक चौथाई कप बादाम, एक चौथाई कप पिस्ता, एक चौथाई कप काजू, थोड़े से खजूर, एक चौथाई कर किशमिश, एक चौथाई चम्मच दालचीनी पाउडर

विधि

एक बॉउल लें इसमें मैदा नमक और घी डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसे नर्म गूंथ लें और गीले कपड़े से ढ़ककर रख दें फिर भरावन की सभी सामग्रियों को एक साथ बॉउल में मिक्स कर लें। फिर इस आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें फिर एक छोटी सी कटोरी लें इसमें पानी और मैदे का पेस्ट बनाएं और अब उन लोईयों की पूड़ी बनाकर इसमें भरावन की सामग्री एक-एक चम्मच भर गुझिया के सांचे में रखे फिर इन गुझियों के किनारे से मैदे का पेस्ट लगाकर इसे अच्छी तरह से बन्द करें और सारी लोइयों से ऐसे ही गुझिया तैयार कर लें। अब इन गुझियों को साफ्ट कॉटन से ढ़कते जाएं फिर कढ़ाई में तेल गर्म करें और गर्म होने के बाद गैस को मीडियम आंच पर कर दें और इस तेल में फिर गुझिया तलें अब इन गुझियों को निकाल कर रखते जाएं। अब आपकी मेवे से बनी गुझिया तैयार है । अब आप इसे खुद भी खाएं और मेहमानो को भी खिलाएं

कश्मीरी पनीर मसाला

सामग्री

दो कप पनीर टुकड़ों में कटे हुए, एक चम्मच गरम मसाला पाउडर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच अदरक का पेस्ट, आधा चम्मच धनिया पाउडर, एक चौथाई चम्मच हल्दी पाउडर, एक चम्मच कटा हरा धनिया, आधा चम्मच जीरा, दो चम्मच तेल, चुटकीभर हींग, स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में तेल डालकर गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं तो इसमें पनीर के टुकड़े डालकर सुनहरा भूरा होने तक भून लें। इसके बाद एक बाउल में इन्हें निकाल लें। और इसमें लाल मिर्च पाउडर, अदरक का पेस्ट, हींग, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर और नमक मिलाकर 10 मिनट के लिए अलग रख दें।10 मिनट बाद पैन में तेल डालकर उसमें पनीर के टुकड़े और कम से कम 4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और गैस की आंच धीमी कर दें। इसे ऐसे ही कम से कम 10 मिनट पकने दें। आपकी कश्मीरी चमन बनकर तैयार हैं। इसे आप सर्विंग बाउल में निकाल लें। इसे गार्निश करने के लिए इसके ऊपर हरा धनिया डालें और सर्व करें।

संपादकीय

जांच रपट के अद्र्ध सत्य

राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी की कथित जांच कर रहे विशेष जांच दल की 'परम गोपनीय' रपट सार्वजनिक हो गई। रपट पर साफ अक्षरों में लिखा है-'परम गोपनीय।' फिर यह अंतरिम रपट राम मंदिर ट्रस्ट के न्यासियों के पास कैसे पहुंची? वहां से कई टीवी चैनलों को रपट कैसे मिली? यकीनन यह कानूनन अपराध का मामला है। रपट को उप्र सरकार 'सार्वजनिक' करती या ट्रस्ट को सार्वजनिक करने की अनुमति देती, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। 'परम गोपनीय' रपट को चोर दरवाजे से सार्वजनिक किया गया, लिहाजा खुलासा हो गया कि विशेष जांच दल ने शुरुआती जांच में क्या पकड़ा, किन्हें 'काली भेड़' करार दिया गया और यह चोरी-डकैती कांड कैसे अंजाम दिया गया? ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय बंसल और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों से ही राम मंदिर के भीतर के चोरी-डकैती कांड का पटाक्षेप नहीं हुआ है। विशेष जांच दल की सार्वजनिक रपट पर ही कई सवाल हैं। रपट में चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव, विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव आदि का उल्लेख क्यों नहीं है? चंपत राय तो 'प्रमुख खलनायक' के तौर पर सामने आए हैं, क्योंकि उनके हस्तक्षेप से ही, उनके ड्राइवर टिन्नू यादव को, हुंडियों की चाबियां दी गईं! टिन्नू को कोई प्राधिकार ट्रस्ट ने नहीं दिया था, फिर वह एक सक्षम अधिकारी की तरह व्यवहार क्यों करता रहा? हालांकि विशेष जांच दल अभी टिन्नू यादव की और जांच-पड़ताल करेगा। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर है। सवाल यह भी है कि ट्रस्ट ने राम मंदिर के व्यवस्थापक रहे गोपाल राव को अचानक बाहर का रास्ता क्यों दिखा दिया? चंपत और अनिल पर लगे गंभीर आरोप उन पर नहीं थे। वह भी राम मंदिर की व्यवस्था में आरएसएस के एक प्रमुख चेहरा थे। वह ट्रस्ट की बैठक से पहले अचानक बेंगलुरु गए और संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले से मिले। क्यों मिले, इसका कोई खुलासा नहीं है। विशेष जांच दल ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह से जो कागजात मांगे थे, वे जांच दल को सौंपे गए, लेकिन अंतरिम रपट में घोटालास्पद भूमि-सौदों का कोई जिक्र तक नहीं किया गया। क्या जांच दल ने मान लिया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा ने बिल्कुल ईमानदार जमीन-सौदे किए थे? इंजीनियर दीनानाथ वर्मा ने यह तथ्य बेनकाब किया था कि अनिल मिश्रा निर्माण-कार्यों पर 40 फीसदी कमीशन मांगते थे, लिहाजा फर्जी बिल भी बनाए गए। महिपाल सिंह भी राम मंदिर में लेखाधिकारी थे, जिन्होंने चोरी और दूसरी गड़बडियों को लेकर चंपत राय और अनिल मिश्रा को अवगत कराया था। उन्हें ही नौकरी से निकाल दिया गया। विशेष जांच दल ने इन दोनों के बयान भी दर्ज क्यों नहीं किए? वे चोरी-डकैती के सुराग खोलने में एक महत्वपूर्ण स्रोत साबित हो सकते थे। सार्वजनिक रपट में खुलासा है कि बीती 5 जून की छापेमारी में 78 ।94 लाख रुपए बरामद किए गए थे। यह नकदी बरामदगी 21 दिन तक कृष्ण मोहन के घर एक संदूक में रखी गई। कृष्ण मोहन को अब ट्रस्ट का अंतरिम महासचिव बनाया गया है। क्या कोई व्यक्ति बरामदगी को अपने पास रख सकता है? यकीनन ये अपराध का मामला है, लेकिन जांच दल ने इस दृष्टि से आकलन नहीं किया। रपट से ऐसा नहीं लगता कि चोरी-डकैती कांड में दूध का दूध और पानी का पानी हो सकेगा, जैसा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया था। इसी बीच चंपत राय का राम-भक्तों के नाम एक पत्र भी सार्वजनिक हुआ है, जिसमें उन्होंने अनिल मिश्रा और भारतीय स्टेट बैंक के बीच करार को 'अवैध' करार दिया है। उनका कहना है कि इस करार की सम्यक जानकारी उन्हें नहीं दी गई और करार पर महासचिव के नाते उनके दस्तखत होने चाहिए थे। अब चंपत अनिल मिश्रा और बैंक को 'खलनायक' बनाने के मूड में लगते हैं। वैसे उन्होंने कहा है कि विशेष जांच दल की अंतिम रपट के बाद ही वह अपना पक्ष रखेंगे। रपट से साफ है कि चंपत राय और गोविंद देव के खिलाफ किसी भी तरह का केस बनाए जाने के आसार नहीं हैं और प्राथमिकी तो अभी तक दर्ज नहीं की गई है। अभी जांच दल को उन 113 करोड़ रुपए के हिसाब की भी जांच करनी है, जो प्राण-प्रतिष्ठा के मद्देनजर खर्च कर दिए गए। यह कोई सामान्य खर्च नहीं है।

'परम गोपनीय' रपट को चोर दरवाजे से सार्वजनिक किया गया, लिहाजा खुलासा हो गया कि विशेष जांच दल ने शुरुआती जांच में क्या पकड़ा, किन्हें 'काली भेड़' करार दिया गया और यह चोरी-डकैती कांड कैसे अंजाम दिया गया? ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय बंसल और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों से ही राम मंदिर के भीतर के चोरी-डकैती कांड का पटाक्षेप नहीं हुआ है। विशेष जांच दल की सार्वजनिक रपट पर ही कई सवाल हैं। रपट में चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव, विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव आदि का उल्लेख क्यों नहीं है? चंपत राय तो 'प्रमुख खलनायक' के तौर पर सामने आए हैं, क्योंकि उनके हस्तक्षेप से ही, उनके ड्राइवर टिन्नू यादव को, हुंडियों की चाबियां दी गईं! टिन्नू को कोई प्राधिकार ट्रस्ट ने नहीं दिया था, फिर वह एक सक्षम अधिकारी की तरह व्यवहार क्यों करता रहा? हालांकि विशेष जांच दल अभी टिन्नू यादव की और जांच-पड़ताल करेगा। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर है।

कुछ अलग

उल्टी गंगा बहने लगी है...

शिक्षा क्रांति के दावों के बाद स्कूलों का चेहरा बदल गया है। हमारे बच्चों को कुपोषण का मर्ज है। घर में तो उन्हें उचित खाने को मिलता नहीं, एक जून रोटी मिल जाए तो भी असंख्य धन्यवाद। सरकार ने बच्चों के हाथ में पुस्तक और पेट में रोटी देने के लिए स्कूलों में बच्चों के लिए मध्य दिवस भोजन योजना चलाई थी। उम्मीद थी कि कम से कम एक समय तो उन्हें उचित भोजन मिल जाएगा। सर्व शिक्षा अभियान भी चलाया और प्राथमिक शिक्षा के लिए सब बच्चों को संवैधानिक अधिकार भी दे दिया है, लेकिन देने की घोषणा करने और वास्तव में मिल जाने के सच में यहां योजना का अंतर होता है। पब्लिक स्कूल कल्चर की कमर तो टूटी नहीं। गरीब बच्चों को इन स्कूलों की फ्री आरक्षित सीटों पर दाखिला नहीं मिला। इधर सरकारी स्कूलों में जो मध्य दिवस भोजन योजना शुरू हुई, उसमें पुष्ट-पोषण के नाम पर खबरचियों ने खबर दी कि बच्चों को सूखी रोटी के साथ नमक मिलना शुरू हो गया। गोदी मीडिया ने इसमें राजनीतिक अदावत की गंध सूंघ ली। संबंधित खबरची अंदर हुआ। आंकड़ा शास्त्रियों ने भी इसके असल चेहरे की गवाही दे दी। बताया कि इस देश में पांच साल की उम्र तक के बच्चे आधे से अधिक काल कलवित हो जाते हैं, तो बारह-चौदह साल के बच्चों में भी कुपोषण की वजह से, उसी तरह लगभग आधे काल का ग्रास हो जाते हैं। शेष जो बचते हैं, उनमें से बड़ी तादाद मानव तस्करों की कृपा से लापता होकर तेल धनी देशों के शेखों के द्वार तक पहुंच जाती है। लेकिन अब मध्यपूर्व के इन देशों में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ जाने के बाद सोचा जा रहा है कि क्या इससे धनी शेखों के धन के पहाड़ कुछ कम हो जाएंगे।

दक्षिण-एशियाई और प्रवासी लेकिन मध्यकाल और विशेषकर औपनिवेशिक काल में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर गंभीर आघात पहुँचाया गया

गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ तले शिक्षा व्यवस्था

प्रो. एस.के.सिंह

शिक्षा न केवल मनुष्यों के निर्माण का आधार है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उन्नति का प्रतिबिंब भी होती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शिक्षा राष्ट्र की आत्मा होती है। भारत की शिक्षा परंपरा सदियों तक विश्व के लिये प्रेरणा का स्रोत रही है। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केन्द्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केन्द्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिये आते थे क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र निर्माण और मानव एवं विश्व कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा न केवल मनुष्यों के निर्माण का आधार है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उन्नति का प्रतिबिंब भी होती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शिक्षा राष्ट्र की आत्मा होती है। भारत की शिक्षा परंपरा सदियों तक विश्व के लिये प्रेरणा का स्रोत रही है। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केन्द्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केन्द्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिये आते थे क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र निर्माण और मानव एवं विश्व कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी लेकिन मध्यकाल और विशेषकर औपनिवेशिक काल में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर गंभीर आघात पहुँचाया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा को हानि पहुँचाने के लिये अनेक पारंपरिक शिक्षण संस्थानों को नष्ट किया गया। औपनिवेशिक शासन ने ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित की, जिसमें भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान संपदा को कमतर आँकते हुए अंग्रेजी-केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। औपनिवेशिक काल में भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरुकुल व्यवस्था तथा स्वदेशी शिक्षण संस्थानों को जिस सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया, वैसा उदाहरण भारतीय इतिहास के अनेक पूर्ववर्ती कालखंडों में दिखाई नहीं देता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा के विस्तार के लिये विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की संख्या तो बढ़ी, विभिन्न आयोग भी गठित किये गये, लेकिन शिक्षा के भारतीयकरण, मातृभाषा में शिक्षण एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के पुनर्स्थापन जmसे विषयों पर ठोस और व्यापक परिवर्तन लंबे समय तक दिखाई नहीं दिया। तत्कालीन सरकारें शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बुनियादी परिवर्तन करने का साहस ही नहीं जुटा सकीं। परिणामस्वरूप, शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक उसी ढाँचे में चलती रही, जिसकी नींव औपनिवेशिक काल में रखी गई थी। ऐसे परिदृश्य में स्वतंत्रता के लगभग 73 साल बाद 2020 में एनईपी 2020 के माध्यम से देश को एक बेहद लचीली, समावेशी, बहुलतावादी, प्रगतिशील, छात्र केन्द्रित एवं भारतीयता से ओत-प्रोत शिक्षा नीति मिली जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा और मातृभाषा को केन्द्र में रखते हुए छात्रों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें जीवन के लिये तैयार करने पर जोर दिया गया है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार किसी नीति में शिक्षा को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की ठोस पहल की गई है। इसलिये इसे सही मायनों में स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय शिक्षा नीति कहा जा सकता है। लेकिन शिक्षकों पर प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन

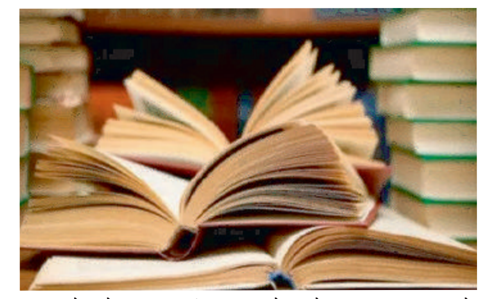

तथा उसके अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा नजर आ रहे हैं। महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि सांदीपनि, आचार्य चाणक्य जैसे शिक्षकों की परंपरा इसलिये महान नहीं बनी, कि वे प्रशासनिक औपचारिकताओं में दक्ष थे, बल्कि इसलिये बनी कि वे अपने शिष्यों के व्यक्तित्व निर्माण में पूर्णतः समर्पित थे। उनके आश्रमों में शिक्षा का केन्द्र बिन्दु गुरू और शिष्य का जीवंत संवाद था। लेकिन वर्तमान समय में शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक कार्यों में बढ़ती व्यस्तता के कारण यह संवाद निरंतर कम होता जा रहा है, जिससे शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा मंडराने लगा है। निरंतर रिपोर्टिंग, पोर्टल प्रबंधन, डेटा अपलोडिंग, निर्वाचन एवं जनगणना संबंधी कार्य, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, आधार लिंकिंग, मध्यान्ह भोजन योजना का प्रबंधन, बार-बार मांगी जाने वाली सूचनाओं का संकलन, संस्थान स्तर पर विभिन्न समितियों का गठन एवं संचालन, विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों में व्यस्तता तथा अनेक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के कारण शिक्षकों को अपने मूल दायित्व, शिक्षण, अध्ययन एवं शोध के लिये पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। शिक्षक का कार्य केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं होता, उसके अध्यापन की गुणवत्ता, उसके सतत अध्ययन, चिंतन, मनन और आत्मविकास पर निर्भर करती है। इसलिये शिक्षक चौबीसों घण्टे अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो लोग यह मानते हैं कि शिक्षण कार्य समाप्त होते ही शिक्षक अपने दायित्वों से मुक्त होकर पूर्णतः स्वतंत्र हो जाता है, वे शिक्षक के वास्तविक उत्तरदायित्व, उसकी भूमिका की प्रकृति तथा शिक्षा की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया को भली-भांति नहीं समझते हैं और इसी भ्रांति के कारण शिक्षक पर गैर-शैक्षणिक दायित्वों का अनावश्यक बोझ लादने का समर्थन करते हैं। मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसी अनेक नीतियां एवं योजनायें रही हैं जिनकी मूल भावना अत्यंत श्रेष्ठ एवं पवित्र रही है लेकिन उनकी सफलता और अपेक्षित परिणाम काफी हद तक उनके क्रियान्वयन पर निर्भर रहे हैं। देश में 2016 में लागू की गई नोटबंदी इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। नोटबंदी का निर्णय मूलतः काले धन, नकली मुद्रा तथा अवैध आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उठाया गया एक दूरदर्शी और साहसिक कदम था। नोटबंदी के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा को लेकर न तब कोई संदेह था और न आज है। लेकिन क्रियान्वयन के दौरान उत्पन्न हुई कुछ व्यावहारिक चुनौतियों एवं कठिनाईयों के कारण नोटबंदी से वे अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके, जिसकी आशा की गई थी। नोटबंदी नरेंद्र मोदी सरकार का ऐसा निर्णय था, जिसने वैश्विक स्तर पर यह धारणा स्थापित की, कि भारत में ऐसा नेतृत्व उभर चुका है जो केवल लोकप्रिय निर्णय तक सीमित नहीं है बल्कि राष्ट्रहित में आवश्यक होने पर कठोर, अप्रिय और चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने से भी नहीं हिचकेगा। नोटबंदी की सराहना नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री रिचर्ड थेलर ने भी की थी। इसी तरह यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं, तो इसका कारण नीति में कोई कमी होना नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक का उसके मूल कार्य से विमुख होना होगा। जिस प्रकार एक बेहतर एवं दूरगामी आर्थिक निर्णय नोटबंदी के क्रियान्वयन में त्रुटियां उसके प्रभाव को सीमित कर सकती हैं उसी प्रकार एक उत्कृष्ट शिक्षा नीति भी तब तक उसके मूल उद्देश्यों को पूर्णतः प्राप्त नहीं कर सकती है जब तक शिक्षकों को अनावश्यक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ से मुक्त न किया जाये। अब तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शिक्षा व्यवस्था में भी नौकरशाही की प्रवृत्तियां प्रवेश कर गई हैं जहाँ शिक्षण की वास्तविक गुणवत्ता और परिणामों की अपेक्षा प्रक्रियाओं, अभिलेखीकरण तथा औपचारिकताओं को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिक्षकों पर लादे गये प्रशासनिक दायित्व तथा अधिकांश गैर-शैक्षणिक कार्य छात्रों के कल्याण और शिक्षा व्यवस्था के सुचारू संचालन से जुड़े होते हैं, इसलिये इन कार्यों के निष्पादन हेतु पृथक रूप से प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति की जानी चाहिये, जिससे शिक्षक अपना अधिकतम समय शोध एवं शिक्षण में दे सकें। आजकल लगभग प्रत्येक गतिविधि के लिये फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया है। अधिकांश कार्यक्रमों के प्रमाण के रूप में फोटो और वीडियो भेजने की बाध्यता ने शिक्षा व्यवस्था को एक प्रकार की औपचारिकता एवं दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया में उलझा दिया है। परिणामस्वरूप कार्य की वास्तविक गुणवत्ता और उसके शैक्षिक प्रभाव की अपेक्षा उसके प्रमाण प्रस्तुत करने पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। कई बार ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिये छात्रों को एक स्थान पर एकत्रित करने के निर्देश उनके नियमित अध्ययन में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न करते हैं। यदि कोई कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है तो छात्रों को उनकी सुविधा और उपलब्धता के अनुसार उसे देखने की स्वतंत्रता दी जा सकती है। इससे न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित होने से बचेगी बल्कि ऑनलाइन माध्यम की वास्तविक उपयोगिता भी सुनिश्चित होगी।

देश दुनिया से

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बदल रही स्वास्थ्य व्यवस्था

वर्ष की शुरुआत में नयी दिल्ली में आयोजित 'एआइ इंपैक्ट समिट' ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) की अभूतपूर्व संभावनाओं को रेखांकित किया। उस सम्मेलन में पुणे के एक हेल्थ-टेक स्टार्टअप द्वारा विकसित एआइ सक्षम उपकरण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जो सर्वाइकल कैंसर की सस्ती और सुलभ प्रारंभिक जांच को संभव बनाता है। वहीं, 'वाइसा एआइ' ने यह प्रदर्शित किया कि एआइ आधारित चैटबॉट भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता भी प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकते हैं। असल में, एआइ जटिल चिकित्सीय आंकड़ों का विश्लेषण कर चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाते हैं। एआइ प्रणाली इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड, एक्स-रे, सीटी स्कैन, एमआरआइ जैसी छवियों, प्रयोगशाला रिपोर्टों और जीनोमिक आंकड़ों का तीव्र एवं सटीक विश्लेषण कर सकती है। इससे रोगों की समय पर पहचान, उपचार योजना और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था एआइ के व्यापक उपयोग के लिए अत्यंत अनुकूल है। यद्यपि, देश में डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात लगभग 1:811 है, जो डब्ल्यूएचओ के 1:1000 के मानक से बेहतर है, फिर भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में भारी क्षेत्रीय असमानता है। साथ ही, गैर-संक्रामक रोगों का बढ़ता बोझ, वृद्ध होती आबादी तथा स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार बढ़ती लागत देश के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। ऐसे में तकनीक आधारित 'इंटेलिजेंट सॉल्यूशंस' हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक सक्षम और प्रभावी बना सकते हैं। अस्पतालों तक सीमित न रहकर एआइ अब रोग निगरानी, महामारी की पूर्व चेतावनी, टीकाकरण की योजना, संसाधनों के बेहतर आवंटन तथा आपातकालीन प्रबंधन के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को भी अधिक सशक्त बना रही है। जब एआइ को टेलीमेडिसिन के साथ जोड़ा जाता है, तब इसके लाभ और व्यापक हो जाते हैं।

भारत की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या गांवों में रहती है, जबकि विशेषज्ञ चिकित्सक और उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मुख्यतः शहरी क्षेत्रों तक सीमित हैं। एआइ संचालित टेलीमेडिसिन दूरस्थ परामर्श, सटीक निदान व रोगियों की निरंतर निगरानी संभव बनाकर इस भौगोलिक दूरी को कम कर रही है। सरकार की विभिन्न पहलें भी, जैसे 'इ-संजीवनी' टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म', 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' आदि एक समेकित डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही हैं। एआइ की परिवर्तनकारी क्षमता का प्रभाव स्तन कैंसर की जांच के क्षेत्र में देखने को मिलता है। भारत में महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है, किंतु पारंपरिक मैमोग्राफी की अधिक लागत, सीमित उपलब्धता तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी कम पहुंच के कारण प्रारंभिक जांच अब भी बड़ी चुनौती है। इन समस्याओं के समाधान के लिए बेंगलुरु स्थित हेल्थ-टेक स्टार्टअप 'निरामई' ने 'थर्मलाइटिक्स' नामक एआइ आधारित स्तन कैंसर जांच प्रणाली विकसित की है, जो शुरुआती अवस्था में ही शारीरिक असामान्यताओं की पहचान कर सकती है। यह तकनीक पूरी तरह गैर-आक्रामक (नॉन-इंसिव), विकिरण मुक्त और बिना किसी शारीरिक संपर्क के जांच करने वाली है। इसके पोर्टेबल स्वरूप के कारण इसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मोबाइल स्वास्थ्य शिविरों और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से ले जाया जा सकता है। हालांकि, एआइ की इस क्षमता के साथ कई नैतिक और व्यावहारिक चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। एआइ प्रणाली संवेदनशील रोगी आंकड़ों पर निर्भर करती है, जिससे गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और अनधिकृत पहुंच जैसी गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि एआइ मॉडल पक्षपातपूर्ण या अपूर्ण आंकड़ों पर प्रशिक्षित हों, तो वे गलत या भेदभावपूर्ण परिणाम दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अधिकतर एआइ मॉडल की आंतरिक निर्णय प्रक्रिया को समझना चिकित्सकों के लिए भी कठिन होता है। इससे एआइ आधारित चिकित्सा निर्णयों पर विश्वसनीयता का संकट खड़ा हो सकता है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि एआइ कभी भी मानवीय संवेदनशीलता, नैतिक विवेक और उस चिकित्सीय अनुभव का स्थान नहीं ले सकता, जो रोगी केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की आत्मा है। भारत के अनेक अस्पतालों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, अभी भी गुणवत्तापूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड, इंटरनेट सुविधा और आवश्यक तकनीकी बुनियादी ढांचे का अभाव है। एआइ प्रणाली को लागू करने की उच्च लागत, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी तथा व्यापक कानूनी व नियामक ढांचे का न होना भी इसके विस्तार में बड़ी बाधाएं हैं। निःसंदेह, एआइ स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक तेज, सटीक और प्रभावी बनाकर चिकित्सा क्षेत्र में एक नये युग की शुरुआत कर रहा है। किंतु इसे चिकित्सकों के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि उनके एक सशक्त सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य तकनीक और मानवीय विशेषज्ञता के संतुलित समन्वय में ही सुरक्षित है। इसके लिए मजबूत डाटा संरक्षण कानून, पारदर्शी एल्गोरिदम, प्रभावी नियामक व्यवस्था और नैतिक शासन की सख्त जरूरत है।

आप का नज़रिया

इस नए दौर में

हिमाचल अब नए दौर की कहानी में भविष्य की वकालत कर रहा है, तो अधोसंरचना निर्माण और प्रशासन की चाल बदलनी होगी। न जनता महज मुसाफिर है और न ही नेता सिर्फ सत्ता के फलक पर लाभकारी पदक पर, बल्कि यहां हर मुख्यमंत्री को प्रदेश का सीईओ बन कर सोचना होगा या आर्थिक संसाधनों की निगरानी सीएफओ बन कर करनी पड़ेगी। कोशिश यह होनी चाहिए कि न बरसात का पानी महंगा, न गर्मी की धूप सस्ती होकर रह जाए। यानी हर कतरा एक दुकानदारी और हर लम्हा हिफाजत का नया दौर होना चाहिए। इसलिए कठिन कदमों की आहट में जनता को भी सार्थक सोच और सहयोग का प्रदर्शन करना होगा। बेशक निजी दौलत के इस्तेमाल की गवाही में हिमाचल बदल गया, लेकिन तेरा मेरा सलूक सिर्फ अपने लिए ही था। प्रति व्यक्ति आय के सबूत चारों तरफ सरमाएदार बने हैं, फिर भी प्रदेश के अर्थतंत्र में जनसहयोग गरीब क्यों है। पूरे प्रदेश से दो ढाई सौ निजी वोल्वो बसें अगर दिल्ली के अलावा कुछ शहरों की परिवहन जरूरतें पूरी कर रही हैं, तो इस क्षमता का कोई सानी नहीं। प्रति व्यक्ति परिवहन के निजी वाहनों या टैक्सियों-टैंपो की तादाद देखें, तो मालूम होगा कि दौलत कितने फर्राटे मार रही है। नए शहरों की तादाद देखें, तो व्यापार का हर रुतबा परवान चढ़ रहा है। सार्वजनिक निवेश के सामने निजी निवेश का हवाला यह कि निजी स्कूल, निजी अस्पताल इतना आगे बढ़ गए कि आबादी ने जीने के मानक बदल लिए। हिमुडा ने मांग नहीं समझी, तो हिमाचली परिंदे चंडीगढ़ के आसपास की रियल एस्टेट में बस गए। अब एक नया दौर हिमाचल में प्राइवेट अपार्टमेंट का आया, तो बस्तियां छतों के ऊपर आसमान की तरफ बढने लगी हैं। बदला है जॉब का नजरिया, खाने का सलीका और कमाने की व्यस्तता ने पढ़े-लिखे युवाओं को स्वरोजगार का माध्यम बना दिया। अब सरकार की पैरवी में ऐसी अधोसंरचना की जरूरत है जो रिकार्ड पर्यटक वाहनों के आगमन को पार्किंग स्पेस मुहैया कराए। फोरलेन के किनारों पर निवेश केंद्र बनाए और तमाम विश्वविद्यालयों को स्टार्टअप की तहजीब में वैज्ञानिक व मैनेजमेंट में आगे बढ़ाए। बदलने होंगे चौक चौराहे, पर्यटकों के रास्ते और बस स्टैंड की रूपरेखा। बड़े शहरों में स्थानीय बस सेवा, रज्जु मार्गों की रूपरेखा और पर्यटक वाहनों-वोल्वो बसों के अलग से बस स्टैंड बनाने होंगे। हर शहर को चाहिए सरकारी सिटी या सुपर स्पैशियलिटी अस्पताल। बहरहाल, सरकार ने हवाई सेवाओं के नक्शे में बढ़ोतरी करते हुए कुल्लू-मंडी को सीधे चंडीगढ़ की हेलिकाप्टर सेवाओं से जोडक़र बता दिया कि यह कारवां कल तुम्हारे शहर भी आएगा, जरा कमर बांध लो तरक्की का हर पन्ना हवा तक जाएगा। जाहिर तौर पर कभी हिमाचल की सरकारें हर पहल का सबब थीं, इसलिए रोजगार में सरकारी नौकरी अव्वल थी। अब नया निवेश आ रहा है। ऑनलाइन व्यापार ने कई राइडर पैदा किए तो रिटेल बिजनेस में रोजगार के मायने बदल गए। इस बीच अगर हिमाचल ने पांच-छह आईटी पार्क बना लिए होते, तो रोजगार का राष्ट्रीय सूचकांक हमारे नजदीक होता। आश्चर्य यह कि चैतड़ू में आईटी पार्क दो साल पहले बन कर खड़ा है, लेकिन इसे चलाने की जहमत सरकार के आईटी सलाहकार भी नहीं कर सके। रोजगार को इज्जतदार बनाने के लिए जिन कदमों की जरूरत है, वहां सरकार को निजी क्षेत्र को आगे करना ही पड़ेगा।

प्रदेश से दो ढाई सौ निजी वोल्वो बसें अगर दिल्ली के अलावा कुछ शहरों की परिवहन जरूरतें पूरी कर रही हैं, तो इस क्षमता का कोई सानी नहीं। प्रति व्यक्ति परिवहन के निजी वाहनों या टैक्सियों-टैंपो की तादाद देखें, तो मालूम होगा कि दौलत कितने फर्राटे मार रही है। नए शहरों की तादाद देखें, तो व्यापार का हर रुतबा परवान चढ़ रहा है। सार्वजनिक निवेश के सामने निजी निवेश का हवाला यह कि निजी स्कूल, निजी अस्पताल इतना आगे बढ़ गए कि आबादी ने जीने के मानक बदल लिए। हिमुडा ने मांग नहीं समझी, तो हिमाचली परिंदे चंडीगढ़ के आसपास की रियल एस्टेट में बस गए। अब एक नया दौर हिमाचल में प्राइवेट अपार्टमेंट का आया, तो बस्तियां छतों के ऊपर आसमान की तरफ बढ़ने लगी हैं। बदला है जॉब का नजरिया, खाने का सलीका और कमाने की व्यस्तता ने पढ़े-लिखे युवाओं को स्वरोजगार का माध्यम बना दिया। अब सरकार की पैरवी में ऐसी अधोसंरचना की जरूरत है जो रिकार्ड पर्यटक वाहनों के आगमन को पार्किंग स्पेस मुहैया कराए। फोरलेन के किनारों पर निवेश केंद्र बनाए और तमाम विश्वविद्यालयों को स्टार्टअप की तहजीब में वैज्ञानिक व मैनेजमेंट में आगे बढ़ाए। बदलने होंगे चौक चौराहे, पर्यटकों के रास्ते और बस स्टैंड की रूपरेखा। बड़े शहरों में स्थानीय बस सेवा, रज्जु मार्गों की रूपरेखा और पर्यटक वाहनों-वोल्वो बसों के अलग से बस स्टैंड बनाने होंगे।

दृष्टि कोण

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें, डूबती गाड़ियों को कोई किनारा नहीं मिलता

हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है? इतिहास क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है? यदि हर वर्ष यही स्थिति बननी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है? क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं? क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है? क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया

जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां? क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला? क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं? क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है? देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है? और यदि इन सवालों का उत्तर आज भी हमारे पास नहीं है, तो फिर क्या हमें पहले विकसित भारत का सपना देखना चाहिए।

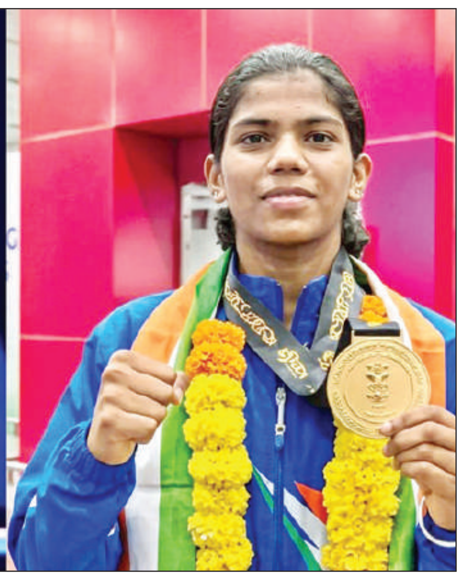

विश्वनाथ और चंद्रिका के नेतृत्व में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली

एशियाई चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में स्वर्ण विजेता रही चंद्रिका भोरेश पुजारी की अगुवाई में भारतीय मुक्केबाजी दल शुक्रवार से इंडोनेशिया में शुरू होने वाली अंडर-23 और अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा। भारतीय टीम में दोनों आयु वर्गों के लिए प्रतिभाशाली मुक्केबाज शामिल हैं, जिनसे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। इस चैंपियनशिप से भारतीय युवा मुक्केबाजों के लिए अपनी प्रतिभा और कौशल को एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ साबित करने का एक बेहतरीन अवसर मिलेगा। भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण हासिल किया है। जिससे उसका लक्ष्य एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीतना रहेगा। टीम में शामिल मुक्केबाज न केवल अपने लिए, बल्कि देश के लिए भी गौरव हासिल करने को उत्सुक हैं। अंडर-23 पुरुष वर्ग में, 50 किग्रा भार वर्ग के एशियाई चैंपियन विश्वनाथ सुरेश टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ गंगा (55 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा), वंशज (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा), आर्यन मलिक (80 किग्रा), राकी चौधरी (85 किग्रा), हेमंत सांगवान (90 किग्रा) और इशान कटारिया (90 किग्रा) जैसे प्रतिभाशाली मुक्केबाज शामिल हैं। यह एक अनुभव और युवा जोश का मिश्रण है, जो टीम को मजबूती प्रदान करता है। वहीं महिला अंडर-23 टीम की अगुवाई निधि (48 किग्रा) और तनु (51 किग्रा) करेंगी। इस टीम में निशा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), निकिता चंद (60 किग्रा), काजल (65 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और प्रियंका (80 किग्रा) जैसी कई और प्रतिभाशाली मुक्केबाज भी हैं, जिनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। ये सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर चुकी हैं और अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। अंडर-19 महिला टीम विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप की स्वर्ण पदक विजेता चंद्रिका भोरेश पुजारी के नेतृत्व में रिंग में उतरेगी। उनके साथ गुंजन (48 किग्रा), चिरोम जायश्री देवी (54 किग्रा) और प्राची (57 किग्रा) सहित कई उभरती हुई युवा प्रतिभाएं शामिल हैं, जो अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करने का लक्ष्य रखेंगी।

न्यूज ब्रीफ

प्रदर्शन के साथ ही फिटनेस भी जरुरी : मनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हाकी टीम के मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है टीम में जगह बनाये रखने के लिए प्रदर्शन के साथ ही फिटनेस पर भी ध्यान देना सबसे जरुरी है। मनप्रीत ने कहा कि फिटनेस बनी रहने के कारण ही वह भारत की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे हैं। मनप्रीत ने खेल में अपनी सफलता का श्रेय अपने फिटनेस को दिया है। साथ ही कहा है कि अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के कारण ही वह इतने लंबे समय तक वह देश के लिए खेल पाए हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि टीम में बने रहने के लिए उम्र और अनुभव पर ध्यान न देते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होता है। साथ ही कहा कि जैसे-जैसे मैचों की संख्या बढ़ती है फिटनेस भी बनाये रखनी होती है। अगर फिटनेस कमजोर पड़ती है तो टीम में जगह भी हाथ से निकल जाती है। मनप्रीत ने कहा, कोचिंग स्टाफ का भी हमेशा से यह कहना रहा है कि प्रदर्शन और चयन फिटनेस से जुड़े रहते हैं। इसलिए अगर आपको टीम में बने रहना है, तो आपको हर समय फिटनेस बनाये रखनी होगी। यहां तक कि ब्रेक के दौरान भी लापरवाही नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, जब भी मैं ब्रेक पर होता हूं या शिविर में होता हूं, तो मैं फिट रहने के लिए अपना रूटीन जारी रखता हूं। अगर मुझे भारतीय टीम के लिए खेलना है, तो मुझे अपने को पूरी तरह से फिट रखना होगा और अपनी फिटनेस के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। मैंने अपने डाइट का भी विशेष रुप से ध्यान रखा है।मनप्रीत ने कहा कि कुछ सालों में मैचों की संख्या काफी बढ़ गई है।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना चाहते है प्रीति पंवार

नई दिल्ली। युवा महिला मुक्केबाज प्रीति पंवार का लक्ष्य आगामी 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। 54 किलोग्राम वर्ग में उतरने वाली प्रीति ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। 23 साल की इस मुक्केबाज का मानना है कि राष्ट्रमंडल खेलों के बाद वह एशियाई खेलों और 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में भी पदक जीतना चाहती हैं। प्रीति ने हाल ही में कहा, मैं राष्ट्रमंडल खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं और भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना चाहती हूं। साथ ही कहा कि खेल में कुछ भी पहले से तय नहीं होता। कई बार हम योजनाएं बनाते हैं, पर परिणाम हमारी उम्मीदों के अनुसार नहीं आते, इसलिए हर मुकाबले को पूरी गंभीरता से लेना महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि प्रीति ने साल 2023 सीनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई, जहां उनके प्रदर्शन ने काफी प्रभावित किया। इसके बाद हांगझोउ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया, जो उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि थी। हालांकि, पेरिस ओलंपिक से पहले हेपेटाइटिस-ए से संक्रमित होने के कारण उनकी तैयारियां बुरी तरह प्रभावित हुईं। बावजूद इसके, उन्होंने ओलंपिक में राउंड आफ-16 तक का सफर तय किया। इससे इस मुक्केबाज का मनोबल बढ़ा। पेरिस ओलंपिक के बाद प्रीति ने शानदार वापसी करते हुए लगातार सफलताएं हासिल की हैं। उन्होंने 2025 विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में स्वर्ण पदक जीता, जो उनकी दृढ़ता का प्रमाण था।

योनेक्स सनराइज ट्राफी में काश्वी और महीप की दोहरी सफलता, हर्ष, किआन, त्रिशिर, धनवी व काव्या बने चैंपियन

इंदौर। सरताज अकादमी और अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व बैडमिंटन दिवस एवं सरताज अकादमी के 33वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योनेक्स सनराइज ट्राफी बैडमिंटन स्पर्धा में काश्वी कुशवाह और महीप छाबड़ा ने दो-दो वर्गों में खिताब जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। हर्ष बढ़े, किआन सालगिया, त्रिशिर पाटीदार, धनवी छाबड़ा और काव्या छाबड़ा भी अपने-अपने वर्ग में विजेता रहे। 15 वर्ष बालक एकल के फाइनल में हर्ष बढ़े ने बेहद रोमांचक मुकाबले में त्रिशिर पाटीदार को 15-12, 19-21, 18-16 से हराकर खिताब जीता। उल्लेखनीय है कि लीग चरण में हर्ष को त्रिशिर के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। सेमीफाइनल में हर्ष ने इशिमत अब्राहम तथा त्रिशिर ने प्रखर राठौर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। काश्वी कुशवाह ने 9 वर्ष बालिका वर्ग के फाइनल में प्रिशा शर्मा को 15-5, 15-2 तथा 11 वर्ष बालिका वर्ग के फाइनल में धनवी छाबड़ा को 15-13, 15-12 से हराकर दोनों खिताब अपने नाम किए। महीप छाबड़ा ने 11 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम सावलानी को 15-7, 15-5 और 9 वर्ष बालक वर्ग में अयांश सोनी को 15-9, 15-2 से पराजित कर दोहरी सफलता प्राप्त की। 13 वर्ष बालक वर्ग में किआन सालगिया ने कुश गौड़ को 15-13, 15-6 से हराया। 17 वर्ष बालक वर्ग में त्रिशिर पाटीदार ने कृष्णा टोडरमल को 15-13, 15-9 से शिकस्त देकर खिताब जीता। 13 वर्ष बालिका वर्ग में धनवी छाबड़ा ने सिया भावसार को 10-15, 18-16, 15-7 से तथा 15 वर्ष बालिका वर्ग में काव्या छाबड़ा ने मनप्रीत कौर को 15-5, 15-8 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

अय्यर-गंभीर की जोड़ी ने फिर कटाई नाक, टीम इंडिया ने गंवाई बैक टू बैक सीरीज, इंग्लैंड ने पहली बार किया ऐसा कारनामा

ब्रिस्टल: इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक बार फिर पूरी तरह ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। पूरी टीम मिलकर बोर्ड पर एक ऐसा सम्मानजनक स्कोर भी नहीं टांग सकी जिससे गेंदबाज लड़ाई लड़ सकें। शुरुआती झटकों और खराब शॉट चयन के कारण भारत की पारी निर्धारित 20 ओवरों में सिर्फ 158 रनों के आसपास ही सिमट गई। इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की लाचारी साफ नजर आई जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं

159 रनों के इस आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने भारतीय गेंदबाजों को मैदान के चारों कोने में दौड़ाया। ओपनर फिलिप साल्ट और कप्तान हैरी ब्रूक ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाकर रख दीं। साल्ट ने 42 गेंदों में 9 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 59 रनों की कप्तानी पारी खेली। वहीं, कप्तान हैरी ब्रूक ने तो और भी ज्यादा आक्रामक रुख अपनाते हुए मात्र 35 गेंदों में 8 चौके और 4 छक्के जड़कर नाबाद 79 रन कूट दिए। इन दोनों की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर इंग्लैंड ने महज 13.5 ओवरों में 1 विकेट खोकर 159 रन बना लिए और भारत को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। यह इंग्लैंड की भारत के खिलाफ पहली टी20 सीरीज जीत है।

अर्शदीप को मिला इकलौता विकेट

भारतीय गेंदबाजों के पास इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों को रोकने का कोई प्लान नजर नहीं आया। टीम को एकमात्र सफलता अर्शदीप सिंह ने दिलाई, जिन्होंने इंग्लिश विकेटकीपर जोस बटलर (8 रन) को ईशान किशन के हाथों कैच आउट कराया। हालांकि, इसके लिए अर्शदीप ने अपने 3.5 ओवरों में 41 रन लुटा डाले। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा (3 ओवर में 26 रन), प्रिंस यादव (3 ओवर में 28 रन), अक्षर पटेल (2 ओवर में 24 रन), वॉशिंगटन सुंदर (1 ओवर में 19 रन) और शिवम दुबे (1 ओवर में 15 रन) सभी विकेट के लिए तरसते नजर आए और बेहद महंगे साबित हुए।

श्रेयस अय्यर ने बनाए 80 रन

इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर के नाबाद अर्धशतक के बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ 7 विकेट पर 158 रन ही बना सका। अय्यर ने 49 गेंद में चार चौकों और पांच छक्कों से नाबाद 80 रन की पारी खेलने के अलावा शिवम दुबे (22) के साथ चौथे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी भी की। अय्यर के अलावा भारत का कोई बल्लेबाज लय में नजर नहीं आया। कप्तान ने भारतीय पारी में आधे से अधिक रन बनाए।

जोफ्रा आर्चर और टंग ने झटके विकेट

इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने क्रमश: 20 और 36 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत खराब रही जब वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर नाकाम रहे और सिर्फ 15 रन बनाने के बाद आर्चर की गेंद को मिड ऑन पर सैम कुरेन के हाथों में खेल गए।

इशान किशन भी सिर्फ चार रन बनाने के बाद टंग की गेंद पर शॉर्ट मैन पर कुरेन को आसान कैच दे बैठे। भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 44 रन बनाए।

कप्तान अय्यर अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने टंग और कुरेन पर चौके जड़ने के बाद आर्चर की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया।

फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची आठ टीमें में चार रही हैं पूर्व विजेता

अटलांटा

फीफा विश्व कप फुटबाल में आठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं जिनके बीच शुक्रवार से मुकाबले होंगे। इनमें से चार टीमें विजेता रही हैं। विश्वकप में कुल 104 मैच खेले जाने हैं, जिनमें से 96 मुकाबले अब तक हुए हैं। वहीं 40 टीमें बाहर हो गयी हैं, और अब केवल 8 सर्वश्रेष्ठ टीमें ही मुकाबले में बची हैं। इनमें से 4 टीमें सेमीफाइनल 2 फाइनल में पहुँचेंगी और अंत में एक के नाम खिताब होगा। फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली आठ टीमें हैं। फ्रांस, मोरक्को, स्पेन, बेल्जियम, नार्वे, इंग्लैंड, अर्जेंटीना और स्विट्जरलैंड। इनमें से छह टीमें यूरोप की हैं। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में फ्रांस का मुकाबला 10 जुलाई को देर रात 1:30 बजे मोरक्को से होगा। इसके बाद 11 जुलाई को देर रात 12:30 बजे स्पेन और बेल्जियम के बीच टक्कर होगी। 12 जुलाई को सुबह 2:30 बजे नार्वे इंग्लैंड से खेलेगी जबकि सुबह 6:30 बजे अर्जेंटीना का मुकाबला स्विट्जरलैंड से होना है। इन चार मुकाबलों के विजेता सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचीचार टीमें फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड और अर्जेंटीना ने पहले भी खिताब जीता है। वहीं मोरक्को, स्विट्जरलैंड, नार्वे और बेल्जियम पहली बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगी। अर्जेंटीना ने 1978, 1986 और 2022 में तीन बार विश्व कप जीता है, वहीं फ्रांस ने 1998 और 2018 में दो बार यह गौरव हासिल किया है, जबकि इंग्लैंड (1966) और स्पेन (2010) ने एक-एक बार फीफा विश्व कप का खिताब जीता था। जहां तक अन्य चार टीमों की बात है। मोरक्को, स्विट्जरलैंड, नार्वे और बेल्जियम आज तक विश्व कप फाइनल में नहीं पहुंची हैं। मोरक्को विश्व कप 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। वहीं स्विट्जरलैंड चार बार 1934, 1938, 1954 और इस बार 2026 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। बेल्जियम ने 2018 फीफा विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल किया था। नार्वे की बात करें तो इसी बार वह क्वार्टर फाइनल तक पहुंची है।

वैभव विरोधी गेंदबाजों से सतर्क रहें : पठान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व आलराउंडर इरफान पठान ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। पठान का मानना है कि 15 वर्षीय इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में असली परीक्षा अब शुरू हो रही है। अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद, इस क्रिकेटर को अब विरोधी गेंदबाजों की रणनीतियों का सामना करने और उनसे पार पाने के लिए तैयार रहना होगा। पठान ने इस बात पर जोर दिया कि वैभव का निडर और स्वाभाविक खेल बना रहना चाहिए, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि लगातार और दीर्घकालिक सफलता हासिल करने के लिए विरोधी टीमों की रणनीतियों के हिसाब से खुद को ढालना अत्यंत आवश्यक है। पठान ने स्पष्ट किया, इसमें कोई शक नहीं कि वह एक खास प्रतिभा है, लेकिन उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि वह गेंदबाजों की हर चाल का सामना करने के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से तैयार रहे। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए समझाया, जैसे अगर आप इंग्लैंड में स्पिनरों के खिलाफ आगे बढ़कर खेलना चाहते हैं, तो यह कोई बुरा विकल्प नहीं है क्योंकि वहां गेंद आमतौर पर ज्यादा टर्न नहीं होती।

बाबर आजम को फिर से टी20 कप्तान बना सकता है पीसीबी

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अनुभवी बल्लेबाज बाबार आजम को एक बार फिर टी20 में भी कप्तान बना सकता है। बाबर पहले भी इस प्रारुप में कप्तान रहे हैं और उनका कार्यकाल अच्छा रहा है। हाल में जिस प्रकार से उन्हें टेस्ट में कप्तानी मिली है। उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि अब इस बल्लेबाज को आगामी मैचों से पहले टी20 टीम की कप्तानी फिर से सौंपी जा सकती है। रिपोर्टों के अनुसार, पीसीबी राष्ट्रीय टीम के हाल के प्रदर्शन की समीक्षा करने के बाद सबसे छोटे फार्मेट में नेतृत्व परिवर्तन पर विचार कर रहा है। यदि इस निर्णय को अंतिम रूप दिया जाता है, तो बाबर एक बार फिर सलमान अली आगा की जगह लेंगे, जो बदलाव के दौर में टीम की कमान संभाल रहे थे पर उनका कार्यकाल अच्छा नहीं रहा है।

बोर्ड एक बार फिर देश के सबसे अनुभवी खिलाड़ी पर अपना भरोसा जता सकता है। हालांकि, पीसीबी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है पर रिपोर्टों में कहा गया है कि बाबर का नाम सबसे आगे चल रहा है। पाकिस्तान को आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईसीसी इवेंट्स के लिए तैयारी करनी है।

बाबर पहले भी तीनों प्रारुपों में पाकिस्तान की कप्तानी कर चुके हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्हें अच्छी सफलता मिली थी। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान 2021 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा था और 2022 के संस्करण में उपविजेता रहा था। यह प्रदर्शन उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। इतना ही नहीं, अपने पिछले कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान के टी20 कप्तानों में उनका जीत का प्रतिशत भी सबसे बेहतरीन रहा था, जो उनकी प्रभावी रणनीतियों और टीम को एकजुट रखने की क्षमता को दर्शाता है।

वह सफेद गेंद क्रिकेट में बाबर पाकिस्तान के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक बने हुए हैं। माना जाता है कि उनका अनुभव, कुशल नेतृत्व क्षमता और कप्तानी की जटिल जरूरतों की गहरी समझ उन प्रमुख कारकों में शामिल हैं जो बोर्ड की इस सोच को प्रभावित कर रहे हैं।

इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से किया संन्यास का ऐलान

भारत के खिलाफ टेस्ट होगा उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

नई दिल्ली

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 35 वर्षीय ब्यूमोंट भारत के खिलाफ शुक्रवार से लार्ड्स में शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के बाद अपने 17 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करेंगी। लार्ड्स में होने वाला यह पहला महिला टेस्ट मैच उनके करियर का विदाई मुकाबला भी होगा।

साल 2009 में इंग्लैंड के लिए पदार्पण करने वाली ब्यूमोंट ने अपने करियर में 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह इंग्लैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 12 शतक लगाने वाली महिला बल्लेबाज हैं। वह इंग्लैंड की उन केवल दो महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा है। इसके अलावा 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 208 रन की पारी खेलकर वह महिला टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की पहली दोहरा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी थीं।

संन्यास की घोषणा करते हुए टैमी ब्यूमोंट ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के हवाले से कहा, करीब 17 वर्षों तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब मैं छोटी बच्ची थी और क्रिकेट से प्यार हुआ था, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि इंग्लैंड के लिए खेलना एक विकल्प हो सकता है। आज यह देखकर बेहद खुशी होती है कि खासकर इस गर्मी में कितनी लड़कियां और लड़के क्रिकेट से प्रेरित हुए हैं और हमारे देश में इस खेल ने कितनी लंबी यात्रा तय की है।

उन्होंने आगे कहा, हम हमेशा चाहते थे कि हम इंग्लैंड की कैप को अगली पीढ़ी तक सम्मान के साथ पहुंचाएं। अब समय आ गया है कि मैं यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को सौंप दूं।

लार्ड्स टेस्ट को लेकर उन्होंने कहा, लार्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो महिलाओं का यहां पहला टेस्ट होगा, मेरे करियर को अलविदा कहने के लिए बिल्कुल सही अवसर है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना यादगार और खास होगा।

ब्यूमोंट महिला क्रिकेट में पेशेवर अनुबंध पाने वाली शुरुआती खिलाड़ियों में शामिल थीं। उन्हें 2015 में पहला केंद्रीय अनुबंध मिला था। इसके दो साल बाद 2017 महिला वनडे विश्व कप में उन्होंने 410 रन बनाकर टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता और इंग्लैंड को घरेलू सरजमीं पर विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी - टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट किया कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह रही हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगी। वह फिलहाल द ब्लेज़ और बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से द हंड्रेड सहित अन्य घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलती रहेंगी।

अन्नदान सबसे बड़ा महादान : डॉ. अजय अग्रवाल

पुत्री कृति अग्रवाल के जन्मदिन पर जरूरतमंदों के बीच वितरित किया भोजन

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ़ पब्लिक रिलेशंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, ब्रिटिश संसद में भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित एवं गिनीज़ बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स धारक डॉ. अजय अग्रवाल ने अपनी पुत्री कृति अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर पुंजगुट्टा स्थित निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़ (निम्स) में गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के परिजनों तथा अन्य जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन का वितरण किया।

इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा महादान है। उन्होंने कहा कि योग्य, गरीब एवं

जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना मानवता की सबसे श्रेष्ठ सेवा है। बिना किसी धर्म, जाति या वर्ग के भेदभाव के गर्मागर्म भोजन परोसना न केवल सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है, बल्कि इससे जरूरतमंदों को वास्तविक संतुष्टि और राहत मिलती है। उन्होंने बताया कि लाभार्थी भोजन का आनंद लेने के साथ-साथ अपने अस्पताल में भर्ती परिजनों के लिए भी भोजन लेकर जाते हैं।

45 वर्षों से निरंतर कर रहे हैं सेवा कार्य

डॉ. अजय अग्रवाल ने बताया कि वे पिछले लगभग 45 वर्षों से निरंतर विभिन्न स्थानों एवं संस्थानों, जैसे वृद्धाश्रम, आश्रय गृह तथा अन्य सेवा केंद्रों पर भोजन वितरण एवं सामाजिक सेवा के कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सेवा कार्य से उन्हें आत्मिक संतोष मिलता है और वे जीवन के अंतिम क्षण तक इसे निरंतर जारी रखेंगे।

निःस्वार्थ सहयोग संस्था के साथ 200 लोगों को कराया नाश्ता

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि सामाजिक संस्था निःस्वार्थ सहयोग कई वर्षों से इसी प्रकार की सेवा गतिविधियों में समर्पित भाव से कार्य कर रही है, जो अत्यंत प्रशंसनीय है।

इसी संस्था के सहयोग से लगभग 200 जरूरतमंद लोगों के बीच नाश्ते का वितरण किया गया।

उन्होंने समाज के सक्षम एवं संपन्न लोगों से आह्वान किया कि वे भी ऐसे सेवा कार्यों में सहभागी बनें तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आएं।

उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा और सहयोग का संकल्प लेकर जरूरतमंदों का हाथ थामे।

फेडरेशन ऑफ स्वीट एन्ड नमकीन मैन्युफेकचरर्स द्वारा आगामी 16 जुलाई से हाईटेक्स एक्सीबीशन सेन्टर मे आयोजित विश्व मिठाई नमकीन कन्वेंशन 2026 के उद्घाटन समारोह मे तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. जी. विवेक, कोंग्रेस नेता नंदिनी भट्टी, विक्रामार्क को विशेष अतिथि के रूप मे भाग लेने का अनुरोध करते हुए फेडरेशन के निदेशक फिरोज नकवी, आफ्ताब जीयादी, निलेश देढिया, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान एवं अन्य।

सनाया क्राउन का भव्य ऐलान
पश्चिमी हैदराबाद को मिलेगी नई पहचान

हैदराबाद। रियल एस्टेट क्षेत्र की उभरती हुई अंतरराष्ट्रीय डेवलपर कंपनी मसनाया होम्सफ ने तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पतंचरु में अपने ऐतिहासिक बहुमंजिला ट्विन टावर प्रोजेक्ट ङ्कङ्कसनाया क्राउनङ्कङ्क को लॉन्च करने की आधिकारिक घोषणा कर दी है।

इस मील के पत्थर माने जा रहे प्रोजेक्ट से पश्चिमी हैदराबाद के स्काईलाइन (शहरी परिदृश्य) को एक नया रूप मिलने की उम्मीद है। साथ ही, यह पतंचरु को प्रीमियम आवासीय और वाणिज्यिक (कमर्शियल) रियल एस्टेट के तेजी से विकसित होते गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

इस प्रोजेक्ट को शिकागो (अमेरिका) के निवासी अनिवासी भारतीय , सामाजिक कार्यकर्ता, प्रमुख व्यवसायी और परोपकारी शख्सियत श्री इफ्तिखार शरीफ के जुड़ने से एक बड़ा बल मिला है। अमेरिका और भारत दोनों देशों से गहरे संबंध रखने वाले श्री शरीफ का हैदराबाद के शमशाबाद में भी एक घर है। सनाया होम्स के साथ उनके जुड़ाव से तेलंगाना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट देने के कंपनी के दृष्टिकोण को और मजबूती मिलेगी।

सनाया होम्स ने हैदराबाद के बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स, काटेदान सहित शहर के कई अन्य प्रतिष्ठित हिस्सों में उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय और वाणिज्यिक प्रोजेक्ट्स विकसित कर अपनी एक खास साख बनाई है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण, नवाचार (इनो-वेशन) और ग्राहक संतुष्टि के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता ने इसे रियल एस्टेट क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम के रूप में स्थापित किया है। इस अवसर पर बोलते हुए सनाया होम्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री इलियास खान ने कहा कि सनाया क्राउन हैदराबाद के पश्चिमी कॉरिडोर में एक अनोखा और प्रतिष्ठित (आइकॉनिक) प्रोजेक्ट होगा। उन्होंने आगे बताया कि यह प्रोजेक्ट दो एकड़ से अधिक भूमि पर विकसित किया जाएगा। यह इस क्षेत्र का पहला बड़ा ममिक्स्ड-यूजफ (मिश्रित उपयोग) प्रोजेक्ट होगा, जहां पूर्व औद्योगिक भूमि (इंडस्ट्रियल लैंड) को एक आधुनिक वाणिज्यिक और आवासीय गंतव्य में बदला जा रहा है।

अपनी समकालीन वास्तुकला (आधुनिक आर्किटेक्चर), प्रीमियम सुविधाओं, पर्यावरण-अनुकूल निर्माण प्रथाओं और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान के कारण सनाया क्राउन से तेलंगाना में एक लैंडमार्क बनने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट पश्चिमी हैदराबाद के निरंतर विकास और बदलाव में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जो निवेशकों और निवासियों दोनों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सुनिश्चित करेगा।

अन्नदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं :जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा अभियान के अंतर्गत जरूरतमंद, असहाय एवं निराश्रित लोगों को श्रद्धा-पूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि भूखे व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भोजन कराना सबसे बड़ा मानव धर्म और सर्वोच्च पुण्य का कार्य है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के निरंतर सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश दे रहा है। समूह का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और अपनत्व की भावना को भी मजबूत करना है।

उन्होंने सभी समाजसेवियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के शुभ अवसरोंजन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि अथवा अन्य विशेष दिनोंपर अन्नदान जैसी पुण्य सेवा में भाग लेकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक सेवा से समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना और अधिक सशक्त होगी।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, जगन गुप्ता एवं नीलम विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और सेवा कार्य को सफल बनाया। अंत में सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर अन्नदान एवं जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पोचम्मा मंदिर में की पूजा, 50 हजार का दान दिया

मंचेरियाल, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर निगम के 19वें डिवीजन में नवनिर्मित श्री नल्ला पोचम्मा माता मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा प्रेमसागर राव ने भाग लेकर विशेष पूजा-अर्चना की।

उन्होंने मंदिर के विकास कार्यों के लिए समिति को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। माता से प्रार्थना करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों और सभी नागरिकों को सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्राप्त हो।

इस अवसर पर मंदिर समिति ने सुरेखा प्रेमसागर राव, महापौर धरनी मधुकर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष व पार्षद तुमुला नरेश और स्थानीय पार्षद काकुला वरलक्ष्मी-युवराज को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

इसके बाद सुरेखा प्रेमसागर राव ने 19वें डिवीजन में नवनिर्मित इंदिरम्मा महिला शक्ति भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर धरनी मधुकर, पार्षद तुमुला नरेश, पार्षद काकुला वरलक्ष्मी-युवराज, पूर्व पार्षद किशन और अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

मीडिया से बातचीत में सुरेखा ने कहा कि इंदिरम्मा महिला शक्ति भवन जिले की महिलाओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि स्थानीय विधायक प्रेमसागर राव महिलाओं और विद्यार्थियों के भविष्य के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सभी महिलाओं से भवन का लाभ उठाने की अपील की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दीदी का...

लगभग 16 करोड़ रुपये (करीब 17 लाख अमेरिकी डॉलर) का असुरक्षित कर्ज लिया गया था।केमैन आइलैंड्स दुनिया भर में ऑफशोर कंपनियों के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। एजेंसी अब इस विदेशी फंडिंग के सोर्स और उद्देश्य की भी जांच कर रही है।

अपने पैसों से खरीदा विमान फिर उसी का किराया क्यों?

ईडी की जांच का सबसे अहम पहलू यही है कि जिन विमानों को कथित तौर पर टीएमसी के फंड से खरीदा गया, बाद में वही विमान पार्टी को किराए पर दिए गए। एजेंसी का कहना है कि विमान खरीदने के बाद केयरवेल एविएशन ने उन्हें टीएमसी को चार्टर सेवा के रूप में उपलब्ध कराया और विमान इस्तेमाल करने के नाम पर पार्टी से लगातार भुगतान लिया गया।

सरल शब्दों में समझें तो यह ऐसा है जैसे कोई व्यक्ति अपने ही पैसे से कार खरीदे, लेकिन बाद में उसी कार का इस्तेमाल करने के लिए हर बार किराया भी देता रहे। ईडी को शक है कि यह पूरा सिस्टम असली लेनदेन को छिपाने और पार्टी के फंड को दूसरी जगह ट्रांसफर करने के उद्देश्य से बनाई गई हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में अभी जांच जारी है और एजेंसी ने अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है।

बांग्ला दैनिक आनंदबाजार पत्रिका की रिपोर्ट के अनुसार, केयरवेल एविएशन पश्चिम बंगाल के कई वीवीआईपी नेताओं को चार्टर विमान उपलब्ध कराती थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी भी इस कंपनी की चार्टर सेवाओं का इस्तेमाल करते थे। ईडी का कहना है कि यही वजह है कि विमान खरीद और उसके बाद हुए भुगतान की पूरी श्रृंखला की जांच की जा रही है।

कैसे दर्ज हुई एफआईआर

यह जांच बिधाननगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक एफआईआर के आधार पर शुरू हुई। शिकायत तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायक बिश्वनाथ दास ने दर्ज कराई थी। बिश्वनाथ दास मई महीने में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल हो गए थे। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर वित्तीय जांच शुरू की।

टीएमसी ने बताया राजनीतिक बदले की कार्रवाई

तृणमूल कांग्रेस ने ईडी की कार्रवाई को पूरी तरह राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि उसके सभी वित्तीय लेनदेन पूरी पारदर्शिता के साथ किए गए हैं। पार्टी का कहना है कि सभी चंदों और दान की जानकारी समय-समय पर चुनाव आयोग और आयकर विभाग को दी गई है। इसके अलावा इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी सभी जानकारियां भी पहले ही भारतीय स्टेट बैंक के जरिये सुप्रीम कोर्ट को उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए कर रही है।

एक सवाल, जिसने उलझा दी जांच

फिलहाल ईडी की जांच का सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर विमान और हेलिकॉप्टर खरीदने के लिए धन पार्टी की ओर से दिया गया था, तो फिर उन्हीं विमानों के इस्तेमाल के लिए पार्टी को दोबारा किराया क्यों देना पड़ा? एजेंसी इसी वित्तीय मॉडल और पैसों के सोर्स की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। वहीं तृणमूल कांग्रेस सभी आरोपों से इनकार करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बता रही है।

मेलबर्न में...

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में यह उनकी ऑस्ट्रेलिया की तीसरी यात्रा है और यह एक तरह से हैट्रिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव दर्शाता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध कितनी तेजी से मजबूत हुए हैं।इससे पहले विक्टोरिया की प्रीमियर जेसिंटा ने पीएम मोदी का स्वागत किया। उन्होंने कहा, विक्टोरिया भारतीयों का सम्मान करता है, आपके मूल्यों का आदर करता है; हमारे लिए भारत ट्रेड का नहीं बल्कि ट्रस्ट का सबब है। उन्होंने इस मंच से भारत के लोगों को विक्टोरिया आने का न्योता दिया।

महाराष्ट्र में...

भूकंप के झटके अचानक महसूस होने के कारण लोग गहरी नींद से जाग गए। कई परिवार अपने घरों से बाहर निकलकर खुले मैदान और सड़कों पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ सेकंड तक जमीन और घरों में कंपन महसूस हुआ। हालांकि प्रशासन ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया और स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की बड़ी क्षति की सूचना नहीं मिली है।

महाराष्ट्र पहले से ही मानसून की तेज बारिश का सामना कर रहा है। मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, पुणे और कई अन्य जिलों में लगातार बारिश से जलभराव, भूस्खलन और यातायात प्रभावित हुआ है।

मराठवाड़ा क्षेत्र में भी बारिश का असर देखने को मिल रहा है। ऐसे में भूकंप के झटकों ने स्थानीय लोगों की चिंता और बढ़ा दी।

यह पहली बार नहीं है जब हिंगोली और आसपास के क्षेत्रों में भूकंप आया हो।

अप्रैल 2026 में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था, जिसमें कुछ मकानों में दरारें आई थीं। पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में कई हल्के भूकंप दर्ज किए जा चुके हैं, जिससे यह इलाका भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है।

भूकंप के बाद जिला प्रशासन ने स्थिति पर लगातार निगरानी रखी। राहत एवं बचाव दलों को तैयार रहने के निर्देश दिए गये।भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से कोकण, घाट क्षेत्रों और मराठवाड़ा में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

भारत-चीन...

ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी हमलों में चाबहार का वेसल ट्रैफिक कंट्रोल टावर, कलंतरी पोर्ट और ओमान की खाड़ी में स्थित इस पोर्ट सिटी का बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर भी प्रभावित हुआ है। अमेरिकी हमलों की वजह से शहर के लगभग आधे हिस्से में बिजली गुल हो गई। अमेरिकी हमले की वजह से शाहिद बेहेश्ती डॉक पर कई प्रोजेक्टाइल गिरे जिससे बंदरगाह के ढांचे को नुकसान पहुंचा है। ईरान ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

भारत के लिए शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल का महत्व

शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल का संचालन भारत 10 वर्षीय समझौते के तहत कर रहा है। यह बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को बायपास करके अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच देता है। यह इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि बंदरगाह लंबे समय तक प्रभावित रहता है, तो भारत की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और व्यापारिक योजनाओं पर असर पड़ सकता है। रूस की मीडिया एजेंसी स्पूतनिक के अनुसार भारत ने इस टर्मिनल को विकसित करने के लिए 2015 में एक एमओयू और 2024 में 10 साल का समझौता किया था। भारत ने अब तक 120 मिलियन डॉलर का निवेश किया है और पीएम मोदी ने 2016 में इसके लिए 500 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। पीआईबी की एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शाहिद बेहिश्ती पोर्ट टर्मिनल चाबहार के विकास के लिए ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन के साथ समझौता किया था।

चीन भी हुआ प्रभावित

ईरान की अर्ध सरकारी फार्स न्यूज़ एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि अमेरिका ने उत्तरी ईरान में चीन और रूस को जोड़ने वाले एक रणनीतिक रेलवे पुल पर हमला किया। अमेरिकी स्ट्राइक में ये पुल टूट गया है।

एजेंसी ने आगे बताया कि क्रूज़ मिसाइल से गुरुवार सुबह पूर्वोत्तर गोलेस्तान प्रांत में ओगटे खान रेलवे पुल को निशाना बनाया गया। इस पुल को चीन, तुर्कमेनिस्तान और ईरान को जोड़ने वाले रेलवे कॉरिडोर का एक रणनीतिक पॉइंट बताया गया है।

फ़ार्स के अनुसार ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों में उत्तरी प्रांत गोलेस्तान में स्थित अक तघे खान रेलवे पुल को निशाना बनाया गया है।

गोलेस्तान स्थित चीन-ईरान ब्रिज को अमेरिका ने निशाना बनाया है। यह पुल तेहरान और ईरान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार चीन के बीच व्यापार के अहम रास्तों को जोड़ता है। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी के दौरान रूस को माल भेजने के लिए भी इस रास्ते का इस्तेमाल किया जाता था।

ईरानी एजेंसियों के अनुसार पुल की मरम्मत का काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इस पुल से होकर गुज़रने वाला रास्ता तुर्कमेनिस्तान और कज़ाकिस्तान से होते हुए चीन तक जाता है।

यह हमला तब हुआ जब ईरान ने तेहरान और पूर्वोत्तर शहर मशहद के बीच यात्री रेल सेवाएं रोक दीं हैं। स्थानीय लोगों का कहना था कि लाइन के एक हिस्से पर अमेरिका-इज़राइल ने हमला किया था।

ईरान की सरकारी रेलवे ने कहा कि मरम्मत करने वाली टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया है और फंसे हुए यात्रियों को सड़क मार्ग से मशहद पहुंचाया जाएगा।

पीओके...

आने वाले समय में पाकिस्तान के खिलाफ पीओके में बड़ा आंदोलन खड़ा हो सकता है। पाकिस्तान में बीते 79 साल से ये विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

पीओके संभालने में नाकाम पाकिस्तान

जेएस सोढ़ी के मुताबिक, बीते 79 साल से पाकिस्तान पीओके को संभालने में नाकाम रहा है। उसे यह बात हर हाल में समझनी होगी कि पीओके भारत का ही हिस्सा था और भारत का ही होकर रहेगा। जिस दिन पाकिस्तान को यह समझ आ जाएगा, वो पीओके पर अपना दावा छोड़ सकता है। उसे मजबूर होना पड़ जाएगा, क्योंकि पीओके के लोग खुद ही भारत में शामिल हो जाएंगे। भारत समेत पूरी दुनिया में पीओके को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा और प्रदर्शन होते रहे हैं। भारत सरकार भी लगातार कहती आई है कि पीओके भारत का हमेशा से हिस्सा रहा है। ऐसे में बढ़ते दबाव और चौतरफा प्रदर्शनों के चलते पाकिस्तान पीओके को भारत को सौंपने पर मजबूर हो सकता है।

पीओके को जोर-जबरदस्ती से मिला नहीं सकता

डिफेंस एनालिस्ट जेएस सोढ़ी ने कहा पाकिस्तानी हुकूमत और फौज को यह बात समझनी होगी कि पीओके को जोर-जबरदस्ती से नहीं मिलाया जा सकता है। पीओके के लोग भारत में विलय चाहते हैं। यह बात वो कई बार कह चुके हैं। पीओके को जबरन मिलाने की कोशिश से पाकिस्तान के खिलाफ मौजूदा प्रदर्शनों से बड़ा आंदोलन खड़ा हो सकता है।फउन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सरकार पीओके के लोगों को दोयम दर्जे का समझती है। वहां पर न तो खाना है और न ही पीने का साफ पानी। अस्पताल, स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाओं की हालत भी बदतर है।

पूर्व सोवियत संघ की तर्ज पर पाकिस्तान से टूटेगा पीओके

डिफेंस एनालिस्ट जेएस सोढ़ी के अनुसार, पाकिस्तान को पीओके उसी तर्ज पर छोड़ना पड़ेगा, जैसा 25 दिसंबर, 1991 को पूर्व सोवियत संघ से टूटकर कई देश अलग हो गए थे। उस दिन पूर्व सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव ने इस्तीफा दे दिया था। पूर्व सोवियत संघ टूटकर 15 देशों में बंट गया था। पीओके भी इसी तर्ज पर पाकिस्तान से टूटकर भारत में जा मिलेगा। यह वक्त की बात है। इतिहास इस तरह के विलय से भरा पड़ा है।

पीओके में क्या जुल्म ढा रहा पाकिस्तान

पीओके में रिटायर हो चुके टीचरों की पेंशन भी रोक दी गई है। इसके नेता भी मध्यम-वर्गीय परिवारों से हैं। जैसे सरदार अमन खान, जिन पर भारत से दखल की मांग करने के बाद करीब एक करोड़ पाकिस्तानी रुपये का इनाम रखा गया है। पंजाब यूनिवर्सिटी के वकील ख्वाजा मेहरान, जिनका आसानी से बचना मुश्किल है क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान सेना पर कश्मीरियों को बंदूकें देने का आरोप लगाया था और अब गिरफ़्तार हो चुके शौकत नवाज मीर, जो पहले ट्रेड यूनियन नेता थे।

पीओके के लोगों की मांगें क्या हैं

एक मांग है पिछले दो सालों में विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के लिए मुआवज़ा। इसमें वे लोग भी शामिल हैं जिन पर आटे और बिजली की बढ़ती कीमतों का विरोध करने के लिए पुलिस ने गोली चलाई थी।एक और मांग राजनीतिक रूप से संवेदनशील थी। स्वायत्त क्षेत्र की विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों की व्यवस्था को खत्म करना। ये वे लोग हैं जो भारत से आकर पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों खासकर पंजाब में बस गए थे। इनमें से ज्यादातर लोग कभी पीओके गए ही नहीं।

ङ्मयह बात इस्लामाबाद और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के लिए फायदेमंद है, जो इस हिस्से को अपनी मर्जी से इस्तेमाल करने लायक समझती हैं। चुनाव क्षेत्रों में भी भारी असंतुलन है; जम्मू शरणार्थी सीटों के लिए लगभग 4.3 लाख वोटर हैं, जबकि कश्मीर घाटी में शरणार्थी सीटों के लिए सिर्फ़ 30,000 वोटर हैं।

अन्य मांगों में मीरपुर में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बेहतर अस्पताल सुविधाएं, प्रॉपर्टी ट्रांसफर पर कम टैक्स और जर्जर बिजली नेटवर्क को ठीक करने के लिए 10 अरब रुपये का आवंटन शामिल है। भले ही पीओके पाकिस्तान की बिजली का मुख्य स्रोत है और मुख्य इलाके को भरपूर पनबिजली क्षमता देता है, फिर भी वहां लगातार बिजली कटौती होती रहती है। अगर पीओके आजाद हो जाता है, तो यह सचमुच पाकिस्तान के अंत की शुरुआत हो सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मूल्यों से ही बनता है व्यक्तित्व : रमेश अग्रवाल

अग्रवाल समाज तेलंगाना के प्रेरक कार्यक्रम में उद्योगपति एवं समाजसेवी ने साझा किए जीवन के अनुभव

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम में प्रख्यात उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री रमेश अग्रवाल ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में केवल सफलता प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मूल्यों, संस्कारों और अनुशासन के आधार पर ऐसा व्यक्तित्व निर्माण करना आवश्यक है, जो समाज के लिए प्रेरणा बने।

उन्होंने अपने संबोधन में व्यक्ति से व्यक्तित्व बनने की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियां ही व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं। यदि सकारात्मक सोच के साथ कार्य किया जाए तो हर आपदा में अवसर खोजा जा सकता है।

श्री रमेश अग्रवाल ने अपने जीवन के संघर्षों, चुनौतियों और उद्यमशीलता की यात्रा के अनेक प्रेरक प्रसंग साझा किए। उन्होंने बताया कि कठिन परिस्थितियों को अवसर में बदलने की सोच ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके जीवन के कई महत्वपूर्ण अनुभव आगे चलकर प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में केस स्टडी का विषय भी बने।

उन्होंने कहा कि सफलता तभी सार्थक है, जब उसके साथ सेवा, संवेदना, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व भी जुड़ा हो। यही मूल्य किसी व्यक्ति को समाज में विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने की। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, संयुक्त सचिव श्री प्रतीक कुमार नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, सलाहकार श्री बद्रीविशाल बंसल एवं श्री गोपाल मोर, पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर.एन. गुप्ता सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. अशोक केडिया को योजना, शासन और सुधार समिति का चेयरमैन नियुक्त किए जाने की औपचारिक घोषणा की गई। मुख्य अतिथि श्री रमेश अग्रवाल ने मंच पर उनका अभिनंदन एवं सम्मान करते हुए नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर समाज की कार्यप्रणाली में योजनाबद्ध विकास, सुशासन और सकारात्मक सुधारों की दिशा में इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन संयुक्त सचिव श्री प्रतीक कुमार नरसरिया ने किया। उन्होंने मुख्य अतिथि श्री रमेश अग्रवाल की जीवन यात्रा को व्यक्ति से व्यक्तित्व तक का सफर बताते हुए उनके संघर्ष, उपलब्धियों और सामाजिक योगदान का प्रेरक परिचय प्रस्तुत किया। श्री रमेश अग्रवाल के प्रेरणादायी उद्बोधन के पश्चात गौसेवा समिति तथा अग्रवाल समाज की विभिन्न शाखाओं द्वारा उनका अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

अंत में समाज की सचिव डॉ. सीमा जैन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, सभी पदाधिकारियों, विभिन्न शाखाओं एवं उपस्थित समाज बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

भूमि विवाद को लेकर रिले भूख हड़ताल 14वें दिन भी जारी

मोइनाबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोइनाबाद नगरपालिका के हिमायत नगर क्षेत्र में सर्वे नंबर-151 की भूमि से जुड़े मुद्दे को लेकर चल रही रिले भूख हड़ताल गुरुवार को 14वें दिन भी जारी रही।

धरना स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, भूमि प्रभावित परिवार, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने कहा कि जब तक समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों से शीघ्र हस्तक्षेप कर मामले का निष्पक्ष समाधान करने और प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द सकारात्मक पहल नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

रिले भूख हड़ताल शांतिपूर्ण तरीके से जारी है। आंदोलनकारियों ने सरकार से जनहित को ध्यान में रखकर शीघ्र निर्णय लेने और लंबे समय से लंबित समस्या का समाधान करने की अपील की।

हाई-लाइफ प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ : स्टाइल स्पेशल जुलाई में देश भर के 350 से अधिक डिजाइनर्स शामिल

हैदराबाद, 9 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के सबसे बड़े फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी ब्रांड महाई-लाइफ एक्जीबिशनफ ने हैदराबाद में अपने बहुप्रतीक्षित स्टाइल स्पेशल जुलाई का भव्य शुभारंभ कर दिया है। सीजन के विशेष ट्रेंड्स को पेश करने वाली यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 9, 10 और 11 जुलाई, 2026 को एचआईसीस-नोवोटेल , हाईटेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी में देश भर के 350 से अधिक नामी डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं, जो डिजाइनर स्पेशल, फेस्टिव व वेडिंग कलेक्शन, ट्रेंडिंग फैशन, ग्लैमर, स्टाइल और लग्जरी का एक बेहद शानदार प्रदर्शन लेकर आए हैं।

गुरुवार को एचआईसीसी-नोवोटेल में आयोजित इस ग्रैंड लॉन्चिंग के मौके पर हाई-लाइफ एक्जीबिशन के एमडी और सीईओ एबी डोमिनिक के साथ प्रसिद्ध अभिनेत्री सुभाश्री रायगुरु, अभिनेत्री व मिस सुप्रानेशनल एशिया 2023 प्रज्ञा अय्यागरी सहित कई जानी-मानी हस्तियां, मशहूर हस्तियां और फैशन प्रेमी मौजूद रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए हाई-लाइफ एक्जीबिशन के एमडी और सीईओ श्री एबी पी. डोमिनिक ने कहा, हाई-लाइफ एक्जीबिशन फेस्टिव, लाइफस्टाइल और वेडिंग शॉपिंग के लिए देश का सबसे प्रसिद्ध, पसंदीदा और सबसे बड़ा प्रदर्शनी ब्रांड है। हैदराबाद में 9, 10 और 11 जुलाई को आयोजित हो रहे इस मस्टाइल स्पेशलफ संस्करण में क्रिएटिव फैशन वियर, ट्रेंडिंग फैशन्स, डिजाइनर स्पेशल, फेस्टिव स्पेशल, ब्राइडल वियर, वेडिंग कलेक्शन, एक्सेसरीज, ज्वेलरी और बहुत कुछ आकर्षक कलेक्शन प्रदर्शित किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि इस मस्टाइल स्पेशलफ प्रदर्शनी में भाग ले रहे 350 से अधिक डिजाइनर्स कुछ बेहद विशेष और एक्सक्लूसिव ट्रेंड्स व स्टाइल्स पेश कर रहे हैं। एचआईसीसी-नोवोटेल में चल रहे इस तीन दिवसीय आयोजन में फैशन, लग्जरी, डेकोर, स्टाइल, ट्रेंड्स, वेडिंग स्पेशल और ब्राइडल वियर जैसी सभी चीजें एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि हमारे आगंतुकों (विजिटर्स) को इंडस्ट्री का सबसे बेहतरीन कलेक्शन चुनने का मौका मिल सके।

हाई-लाइफ एक्जीबिशन देश में अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी है। इसका मुख्य कारण इसके साथ जुड़े देश के टॉप फैशन लेबल्स, शीर्ष डिजाइनर्स और उनका बेहतरीन व कलात्मक कलेक्शन है। यही खूबी इसे हर खरीदार और फैशन प्रेमी के लिए एक ममस्ट विजिटफ (अवश्य देखने योग्य) प्रदर्शनी बनाती है। यह भव्य प्रदर्शनी हैदराबाद के फैशन प्रेमियों के लिए 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

जब तक विधायिकाओं में जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा, ओबीसी को न्याय मिलना असंभव: पूर्णचंद्र राव

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत एक पूर्ण लोकतंत्र नहीं बल्कि केवल एक आधा लोकतंत्र है, और यही वह बुनियादी कारण है जिसके चलते अन्य पिछड़ा वर्ग (और मुस्लिमों को विधायिकाओं, संसद, उच्च न्यायपालिका, सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और सत्ता के अन्य केंद्रों में उनकी आबादी के अनुपात में उनका उचित हिस्सा नहीं दिया गया है। यह बात पूर्व पुलिस महानिदेशक और ऑल इंडिया ओबीसी स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जे. पूर्णचंद्र राव, आईपीएस (सेवानिवृत्त) ने कही।

हैदराबाद में 9 जुलाई को आयोजित होने वाले एआईओबीसीएसए के राष्ट्रीय अधिवेशन और मंडल दिवस समारोह से पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. राव ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक संस्थान लगातार प्रतिनिधित्व में गंभीर असमानताओं को दर्शा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हालांकि ओबीसी भारत की आबादी का आधा से अधिक हिस्सा हैं, लेकिन भारत सरकार के सचिवों जैसे वरिष्ठ पदों पर उनकी उपस्थिति उनके जनसांख्यिकीय हिस्से से बहुत कम है। इसी तरह, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में ओबीसी न्यायाधीशों की संख्या उनकी आबादी के अनुपात के आसपास भी नहीं है, जबकि कुछ सामाजिक रूप से प्रभावशाली जातियां उच्च न्यायपालिका में असमान रूप से बड़े हिस्से पर काबिज हैं।

डॉ. राव ने रेखांकित किया कि महिलाएं भारत की आबादी का लगभग 50 प्रतिशत हैं, फिर भी संसद सदस्यों में उनकी हिस्सेदारी केवल 14 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने कहा कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संरचनात्मक कमी को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के भीतर कई उप-जातियों की संसद और राज्य विधानसभाओं में उनकी आबादी के अनुपात में या तो बिल्कुल भी उपस्थिति नहीं है या फिर नगण्य है। उन्होंने कहा कि सौ से अधिक ओबीसी समुदाय आज भी पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित हैं।

उन्होंने दावा किया कि सामाजिक न्याय तब तक अधूरा रहेगा जब तक कि विधायिकाओं, न्यायपालिका, सरकारी सेव-ाओं, उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और सभी सार्वजनिक संस्थानों में प्रतिनिधित्व विभिन्न सामाजिक समूहों की जनसंख्या हिस्सेदारी को प्रतिबिंबित नहीं करता।

प्रस्तावित जाति जनगणना पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. राव ने कहा कि हालांकि केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि जाति जनगणना कराई जाएगी, लेकिन आगामी जनगणना में ओबीसी जातियों की गिनती करने के लिए अभी भी कोई स्पष्ट तंत्र नहीं है।

कैलिफोर्निया की सिया नागाश्री का चैरिटी कॉन्सर्ट संगीत सेवा साधना कल

हैदराबाद, 9 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिका के सैन जोस (कैलिफोर्निया) की 15 वर्षीय कर्नाटक संगीत गायिका कु. सिया नागाश्री जयकुमार आगामी शनिवार, 11 जुलाई को हैदराबाद के कुकटपल्ली स्थित जेएनटीयू (गछ्ढण) ऑडिटोरियम में शाम 4:30 बजे एक विशेष चैरिटी कॉन्सर्ट संगीत सेवा साधना प्रस्तुत करेंगी। कार्नैटिका ग्लोबल और ग्लोबल आर्ट्स टेम्पल यूएसए के सहयोग से आयोजित होने वाले इस संगीत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों की देखभाल करने वाली संस्था मसाधना वेलफेयर सोसाइटीफ की मदद करना है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर्नाटक संगीत उस्ताद विद्वान के. एन. शशिकिरण की शिष्या सिया ने समाज सेवा के उद्देश्य से महार्मनी रेजोनेंसफ की शुरुआत की है, जिसके तहत इस कार्यक्रम से होने वाली आय को सामाजिक कल्याण के लिए दान किया जाएगा। इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के निषेध एवं उत्पाद शुल्क, पर्यटन, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री श्री जुपल्ली कृष्ण राव शामिल होंगे।

श्री जगन्नाथ मठ में रथयात्रा महोत्सव 16 से

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकलेगी, तीन दिवसीय धार्मिक आयोजनों की तैयारियां पूर्ण

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीताराम बाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ (माधवदास झीरा) में श्रीनिवास व्रतधर जीयर स्वामीजी एवं पूर्वाचार्यों के आशीर्वाद से 16 से 18 जुलाई तक तीन दिवसीय श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भ्राता बलभद्र की वैदिक परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना, रथयात्रा, छप्पन भोग, सुंदरकांड पाठ एवं महाप्रसाद सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

प्रचार-प्रसार संयोजक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के तत्वावधान में वैकुंठवासी श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी की पावन प्रेरणा तथा मठाधीश महंत अच्युत रामानुजाचार्य के सान्निध्य में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी।

रथयात्रा की तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक

रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों के संबंध में बुधवार, 8 जुलाई को ज्ञानबाग कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में महंत अच्युत रामानुजाचार्य की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ज्ञानबाग कॉलोनी के निवासियों, जगन्नाथ सेवा समिति एवं जगन्नाथ मठ के श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर हनुमान प्रसाद डागा, सुरेश अग्रवाल, घनश्यामदास राठी, विष्णु कडेल, आशीष काकड़ा, गोकुलचंद उपाध्याय, कनैयालाल ओझा, ओमप्रकाश

भंडारी सहित अनेक धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

अजय स्वामी ने कहा कि हिंदू धर्म और पुराणों के अनुसार जगन्नाथ धाम चार धामों में से एक है तथा इसे धरती पर वैकुंठ की संज्ञा दी गई है। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने यहां अनेक दिव्य लीलाएं की हैं। जगन्नाथ संस्कृति भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का भी प्रतीक है, जहां भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और भ्राता बलभद्र के साथ विराजमान होते हैं।

उन्होंने बताया कि 16 जुलाई को प्रातः 7 बजे से भगवान के दर्शन, विशेष पूजा, भोग, आरती, भगवान को रथ पर विराजमान करने की रस्म, ध्वज पूजन तथा छप्पन भोग के दर्शन होंगे। सायंकाल रथ आरती एवं रथ प्रस्थान पूजा के बाद भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ज्ञानबाग कॉलोनी पहुंचेगी, जहां रात्रि 10:30 बजे भव्य आरती की जाएगी।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने बताया कि इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा पूर्ण धार्मिक श्रद्धा एवं भव्यता के साथ निकाली जाएगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में रथयात्रा में शामिल होने का आह्वान किया।

अच्युत अजय स्वामी ने बताया कि रथयात्रा के दौरान भगवान के रथ के समक्ष झाड़ू लगाकर मछेरा-पहंराफकी पारंपरिक रस्म निभाई जाएगी। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के अवसर पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भ्राता बलभद्र का वैदिक विधि-विधान से पूजन-अभिषेक कर छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। भगवान जगन्नाथ 17 एवं 18 जुलाई को ज्ञानबाग कम्युनिटी हॉल में विराजमान रहेंगे।

इस दौरान ज्ञानबाग कॉलोनी सेवा समिति के तत्वावधान में 17 जुलाई को प्रातः आरती एवं पूजा, सायं 6 बजे सुंदरकांड पाठ, रात्रि 8 बजे महाआरती तथा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

वहीं 18 जुलाई को प्रातः आरती एवं पूजा के पश्चात रात्रि 8 बजे महाआरती होगी। शुभ मुहूर्त में भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर ज्ञानबाग कॉलोनी से पुनः श्री जगन्नाथ मठ, सीताराम बाग पधारेंगे। इसके उपरांत मठ परिसर में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

शुभ लाभ DAILY

आउटर रिंग रोड के भीतर का हैदराबाद बनेगा प्रदूषण मुक्त, उद्योग होंगे स्थानांतरित : रेवंत रेड्डी

सीतारामपुर में 3,342 करोड़ की लागत से स्थापित प्रीमियर एनर्जीज के 5.6 गीगावाट सोलर मॉड्यूल संयंत्र का मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया उद्घाटन

स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वच्छ उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

औद्योगिक विस्तार और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने पर सरकार का फोकस

ओम प्रकाश सिरवी
शाबाद (रंगारेड्डी) 08 जुलाई

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला विधानसभा मे स्थित शाबाद मंडल के सीतारामपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रीमियर एनर्जीज के 5.6 गीगावाट क्षमता वाले अत्याधुनिक सोलर मॉड्यूल निर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। लगभग 75 एकड़ में 3,342 करोड़ के निवेश से स्थापित यह परियोजना राज्य को हरित ऊर्जा और स्वच्छ औद्योगिक विकास की दिशा में नई पहचान दिलाने वाली मानी जा रही है।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आउटर रिंग रोड के भीतर फैले 2,100 वर्ग किलोमीटर के कोर अर्बन क्षेत्र को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाना है। इस क्षेत्र में लगभग 1.35 करोड़ लोगों की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक, संतुलित और पर्यावरण-अनुकूल शहरी विकास की योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों के अनुभवों से सीख लेते हुए सरकार समय रहते ठोस कदम उठा रही है। जीडीमेटला, बालानगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों तथा मूसी नदी के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जठठ के भीतर स्थित प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बाहर विकसित किए जा रहे मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक कानूनी व्यवस्था भी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इस नए मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन में सबसे पहले प्रीमियर एनर्जीज ने मात्र 12 महीनों में अपना संयंत्र स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कंपनी की ओर से विकसित सोलर ऑक्सी ट्री, सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट, एयर क्लीनिंग सिस्टम तथा अन्य आधुनिक सोलर उत्पादों का अवलोकन करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मतेलंगाना राइजिंग–2047फ विजन के अंतर्गत राज्य को उणठए, झणठए और ठअठए क्षेत्रीय विकास मॉडल के आधार पर विकसित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2034 तक तेलंगाना को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। इसके लिए हरित उद्योगों, आधुनिक विनिर्माण, कौशल विकास और बड़े निवेशों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने युवाओं से उद्योगों की जरूरत के अनुरूप तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा कि एडवांस ट्रेनिंग सेंटर, पॉलिटेक्निक संस्थान और स्किल्स यूनिवर्सिटी के माध्यम से रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण को मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम में आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू, विधान परिषद के मुख्य सचेतक पट्टनम महेंद्र रेड्डी,स्थानीय विधायक काले यादैया, चेवेल्ला नगरपालिका महिला चैयरमैन देवरा समन्ता, विधान सभा पार्टी प्रभारी पामेन्ना भीम भरत, प्रीमियर एनर्जीज के चेयरमैन सुरेंद्र पाल सिंह सलूजा, प्रबंध निदेशक चिरंजीव सिंह सलूजा, निदेशक सुधीर मूल, कार्यकारी निदेशक रेवती रोहिणी, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अल नीनो को लेकर सरकार सतर्क, किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं: उत्तम कुमार

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार अल नीनो के संभावित प्रभाव से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि व्यापक आकस्मिक उपाय किये गये हैं।

राज्य सचिवालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री रेड्डी ने जिलाधिकारियों, कृषि तथा सिंचाई विभागों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा की। इस बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू शामिल हुए, जबकि कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

श्री रेड्डी ने कहा कि मौसम विज्ञान, कृषि और सिंचाई विभागों के समन्वय से अल नीनो के संभावित प्रभाव के आधार पर जिला-विशिष्ट कार्य योजनाएं तैयार की गई हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वर्षा के पूर्वानुमान और पानी की उपलब्धता के आधार पर उपयुक्त फसलों के चयन के संबंध में ग्राम सभाओं के माध्यम से किसानों के बीच जागरूकता पैदा करें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वैज्ञानिक और तकनीकी सलाह प्रत्येक किसान तक पहुंचे ताकि वे सही समय पर सही निर्णय ले सकें।

मंत्री ने कहा कि सरकार जलाशयों में पानी के स्तर की बारीकी से निगरानी कर रही है और सिंचाई के पानी का वैज्ञानिक रूप से प्रबंधन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश भी दिए ताकि किसानों को फसल के मौसम के दौरान किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

श्री रेड्डी ने किसानों से अफवाहों पर विश्वास न करने और इसके बजाय कृषि अधिकारियों के मार्गदर्शन का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस सरकार अल नीनो से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और हर कदम पर किसानों के साथ दृढ़ता से खड़ी रहेगी। इस बैठक में मुख्य सचिव संजय जाजू, वरिष्ठ अधिकारियों , प्रोफेसर जयशंकर और तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

जहरीला भोजन खाने से 26 छात्र बीमार

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में नागरकुरनूल जिले के अमराबाद मंडल के मन्नानूर स्थित अनुसूचित जनजाति बालक आवासीय विद्यालय के लगभग 26 छात्र गुरुवार को सुबह के नाश्ते में परोसी गई कथित तौर पर दूषित खिचड़ी खाने के बाद बीमार हो गए। अधिकारियों के अनुसार, नाश्ता करने के तुरंत बाद छात्रों ने उल्टी और पेट दर्द की शिकायत की। छात्रावास के कर्मचारियों ने तुरंत उन्हें अचम्पेट के सरकारी अस्पताल में भेज दिया। अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं और आवासीय विद्यालय में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की पड़ताल की जा रही है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भक्ति और सेवा का अनुपम संगम : जयप्रकाश सारड़ा

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को प्रेम, आत्मीयता और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेवाभावियों ने सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए निरंतर समाजहित में कार्य करने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश सारड़ा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भक्ति और सेवा का अनूठा संगम है। यह केवल अन्नदान का अभियान नहीं, बल्कि मानवता, करुणा, प्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि जब किसी भूखे, असहाय और जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाता है, तब उसके चेहरे पर दिखाई देने वाली मुस्कान ही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार होती है। यही भावना सभी को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाकर समाज में सेवा, सहयोग और सद्भाव का संदेश दे रहा है। ग्रुप के सभी सेवाभावी सदस्य निस्वार्थ भाव से अपना समय, श्रम और सहयोग देकर इस पुण्य कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं, जो वास्तव में अनुकरणीय है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, महेश अग्रवाल एवं जयप्रकाश सारड़ा ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अन्नदान सेवा में अपना सहयोग प्रदान किया।

किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : भट्टी

खम्मम, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार को कहा कि किसानों का कल्याण और कृषि विकास कांग्रेस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं बनी हुई हैं।

श्री विक्रमार्क यहाँ चिंताकानी मंडल के जगन्नाथपुरम में कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के साथ एक विशाल किसान मेले का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। श्री भट्टी ने कहा कि सरकार बयानबाजी के बजाय कार्रवाई के माध्यम से किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रही है, जिसका मकसद किसानों की आय बढ़ाना और कृषि क्षेत्र को मजबूत करना है। उन्होंने दावा किया कि राज्य ने खेती को लाभदायक बनाने के लिए सिंचाई, कृषि, धान खरीद, कृषि यंत्रीकरण और संबद्ध क्षेत्रों पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने धान की बड़े पैमाने पर खरीद सुनिश्चित की है ताकि किसी भी किसान को कठिनाई का सामना न करना पड़े और वित्तीय तथा तार्किक चुनौतियों के बावजूद मक्का और ज्वार की भी खरीद की गयी है। सरकार की प्रमुख रायथू भरोसा योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने नौ दिनों के भीतर 9,000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में भेज के इतिहास रच दिया है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने कृषि यंत्रीकरण में भी भारी निवेश किया है और कृषि में विविधता लाने तथा कृषि आय में सुधार के प्रयासों के तहत सथुपल्ली से आदिलाबाद तक पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा दिया है।

श्री भट्टी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सरकार की आलोचना करने वाले दलों को किसानों के कल्याण पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर राज्य के संसाधनों को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर केंद्रित करने का आरोप लगाया और दावा किया कि इसकी वर्तमान स्थिति पिछली सरकार की विफलताओं को दर्शाती है।

उन्होंने इसकी तुलना पिछली कांग्रेस सरकारों द्वारा बनाई गई सिंचाई परियोजनाओं से की और कहा कि वे परियोजनाएं गुरुवार को भी किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध करा रही हैं। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित रायथू आशीर्वाद सभा का आयोजन कृषि जिलों को अधिक समृद्ध बनाने के उद्देश्य से सरकार की नई सिंचाई परियोजनाओं और कृषि पहलों को समझाने के लिए किया जा रहा है।

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भी इस अवसर पर संबोधित किया और राज्य के किसानों को उन्नत तकनीक तथा बाजार पहुंच प्रदान करने की प्रशासनिक योजनाओं की जानकारी दी। इस मेले में भारी संख्या में स्थानीय किसान और कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे, जिन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के आधुनिक तौर-तरीकों पर चर्चा की।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बस का इंतजार कर रहे यात्रियों को मारी टक्कर, दो महिलाओं की मौत

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे यात्रियों को टक्कर मार दी, जिससे दो महिलाओं की मौत हो गयी।

पुलिस के अनुसार, फलियों से लदी बोलेरो एक अन्य वाहन से आगे निकलने के प्रयास में अनियंत्रित हो गयी और शमशाबाद में सत्तम राय के पास बस का इंतजार कर रहे लोगों को कुचल दिया। इस टक्कर में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गयी।

मृतकों की पहचान सत्तम राय की रहने वाली सुमा और सुवर्णा के रूप में हुई है।

दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए उस्मानिया सामान्य अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

रेवंत, नायडू ने सीतक्का को जन्मदिन की दी बधाई

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को तेलंगाना की पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसारी अनसूया सीतक्का को जन्मदिन की बधाई दी।

श्री रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश में सीतक्का के दीर्घ, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना की। उन्होंने प्रार्थना की कि वह इसी तरह लोगों की सेवा करती रहें तथा तेलंगाना के विकास में अपना योगदान देती रहें।

श्री नायडू ने भी सुश्री सीतक्का को अपनी शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जतायी कि वह जनसेवा में और अधिक सफलता हासिल करेंगी।सीतक्का ने गट्टामलयम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर अपना जन्मदिन मनाया। सीतक्का ने जनशक्ति समूह के साथ एक संक्षिप्त समय बिताने के बाद वर्ष 1994 में आत्मसमर्पण कर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी। वह चंद्रबाबू नायडू के निमंत्रण पर वर्ष 2003 में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) में शामिल हुईं और वर्ष 2009 में पहली बार मुलुगु से विधायक चुनी गयीं।

वर्ष 2017 में श्री रेवंत रेड्डी के साथ कांग्रेस में शामिल होने के बाद, सीतक्का ने वर्ष 2018 और 2023 दोनों विधानसभा चुनावों में मुलुगु सीट से जीत हासिल की तथा रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री बनीं। अलग-अलग राजनीतिक दलों में होने के बावजूद सीतक्का और चंद्रबाबू नायडू के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं।

शैलेश वागेरवाल ने संभाला बीडीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का पद्भार

हैदराबाद, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री शैलेश वागेरवाल ने गुरुवार को रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल लिया।

इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज़ सर्विस (आईओएफएस) के अधिकारी श्री वागेरवाल के पास रक्षा निर्माण क्षेत्र में लगभग तीन दशकों का अनुभव है। उन्होंने एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री और ब्रिटेन की क्रैनफील्ड यूनिवर्सिटी से एक्सप्लोसिव ऑर्डनेंस इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की है। अपने करियर के दौरान, उन्होंने ऑर्डनेंस फैक्ट्री दम दम, ऑर्डनेंस फैक्ट्री इटारसी, ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया और पुणे में म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट कार्यालय में अहम पदों पर काम किया है। उन्हें गोला-बारूद और विस्फोटक उत्पादन, रणनीतिक योजना, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, क्वालिटी एश्योरेंस, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, खरीद, निर्यात, बिजनेस डेवलपमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट और औद्योगिक संबंधों में व्यापक विशेषज्ञता हासिल है।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, बीडीएल के सीएमडी का पद संभालने से पहले श्री वागेरवाल ने म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड की एक यूनिट, ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया (जबलपुर) के मुख्य महाप्रबंधक के तौर पर काम किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.